अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 210 लखनऊ, रविवार, 15 फरवरी 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

सड़क दुर्घटना पीड़ितों को 1.5 लाख रुपये का कैशलेस इलाज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'पीएम राहत' (रोड एक्सीडेंट विक्टिम हॉस्पिटलाइजेशन एंड एश्योर्ड ट्रीटमेंट) योजना की शुरुआत की है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपना कार्यालय सेवा तीर्थ में स्थानांतरित होने के बाद अपने पहले ही फैसले में पीएम राहत योजना से जुड़ी फाइल पर हस्ताक्षर किए। यह फैसला सरकार के इस वादे को दिखाता है कि सड़क दुर्घटना के बाद तुरंत मेडिकल मदद न मिलने से किसी की जान न जाए। मंत्रालय के अनुसार, देश में हर वर्ष बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाओं में मौतें होती हैं, जिनमें से लगभग 50 प्रतिशत मामलों में यदि पीड़ित को दुर्घटना के पहले 'गोल्डन ऑवर' में अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो जान बचाई जा सकती है।

रेल मंत्रालय ने 2026 के लिए दो नई सुधार पहलों को दी मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने वर्ष 2026 के लिए घोषित "52 सप्ताह में 52 सुधारङ्क संकल्प के तहत दो नई महत्वपूर्ण सुधार पहलों को मंजूरी दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि सुधार एक निरंतर प्रक्रिया है और भारतीय रेल प्रणाली में इसका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल आज विश्व की दूसरी सबसे बड़ी मालवाहक संस्था बन चुकी है और नई पीढ़ी की ट्रेनों तथा नई कार्य प्रणालियों के माध्यम से व्यापक परिवर्तन हो रहे हैं।

शहरी चुनौतियों के लिए बनेगा एक लाख करोड़ का कोष

नई दिल्ली। केंद्र सरकार शहरों में विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपये का शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) लेकर आई है। इससे शहरों के लिए बनी विकास परियोजनाओं पर लागत का 25 प्रतिशत केंद्रीय सहायता के तौर पर दिया जाएगा। शर्त यह रहेगी की 50 प्रतिशत लागत को बाजार से जुटाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इस फैसले की जानकारी आज केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार शहरी विकास दृष्टिकोण को अनुदान-आधारित वित्तपोषण से हटाकर बाजार-संबद्ध, सुधार-संचालित और परिणाम-उन्मुख अवसंरचना निर्माण की ओर अग्रसर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नौकरी की गारंटी होगी प्रदेश के वानिकी विश्वविद्यालय की डिग्री : मुख्यमंत्री

- नीयत साफ हो तो परिणाम अपने आप आ जाते हैं
- जंगल कौड़िया के हर गांव से जुड़ाव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कैम्पियरगंज में बनने जा रहे प्रदेश के पहले वानिकी एवं उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय (फॉरेस्ट्री एंड हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी) की डिग्री नौजवानों के लिए नौकरी की गारंटी होगी। इस विश्वविद्यालय से डिग्री और डिप्लोमा लेकर निकलने वाले युवाओं के लिए देश और दुनिया में रोजगार के व्यापक अवसर होंगे। साथ ही यह विश्वविद्यालय अन्नदाता किसानों की आमदनी बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सीएम योगी शनिवार को जंगल कौड़िया ब्लॉक में पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कैम्पियरगंज में बने गिद्धराज जटायु संरक्षण केंद्र का उल्लेख करते हुए कहा कि कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। हमारे लिए किसी ने कुछ किया तो उसके प्रति कृतज्ञ होना हमारी जीवनशैली का हिस्सा है। गिद्धराज जटायु की मानव जाति पर बड़ी कृपा रही। माता सीता का हरण कर ले जा रहे रावण का पहला प्रतिकार गिद्धराज जटायु ने किया था। वह सृष्टि के पालनकर्ता भगवान विष्णु की सवारी भी हैं। आज केमिकल और पेस्टिसाइड्स के इस्तेमाल के चलते गिद्धराज की संख्या कम होती जा रही, वे मर रहे हैं। ऐसे में गिद्धराज के प्रति कृतज्ञता जताने और उनको संरक्षण देने के लिए कैम्पियरगंज में संरक्षण केंद्र बनाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब कैम्पियरगंज में प्रदेश का पहला वानिकी एवं उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय बनाया जाएगा। यहां युवाओं को जो डिप्लोमा व डिग्री मिलेगी, वह देश-दुनिया में नौकरी की गारंटी वाली होगी। आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण प्रदूषण की है। वायु प्रदूषण से फ़ेफड़े खराब होंगे और धीरे-धीरे पूरा शरीर खराब हो जाएगा। जब प्रदूषण नहीं होगा तो बीमारी भी नहीं होगी। उन्होंने वायु प्रदूषण को लेकर दिल्ली की चर्चा करते हुए कहा कि वहां डॉक्टर दमा रोगियों, बुजुर्गों और बच्चों को घर से बाहर न निकलने की सलाह देते हैं। यह स्थिति पर्यावरण के साथ खिलवाड़ से बनती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास भी है और दमघोंटू वातावरण से मुक्ति भी। इसी क्रम में कैम्पियरगंज में बनने जा रहा वानिकी विश्वविद्यालय पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने में और कारगर सिद्ध होगा। यह वनाच्छादन बढ़ाने और किसानों की आमदनी में वृद्धि का भी नया प्रयास होगा।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 के बाद प्रदेश और गोरखपुर के विकास की चर्चा करते हुए कहा कि जब नीयत साफ हो तो परिणाम अपने आप आ जाते हैं।

गलत जांच रिपोर्ट लगाने वालों पर दर्ज हो एफआईआर : योगी

- पीड़ितों की सहायता में लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य : योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी मामले में जांच के दौरान यदि गलत रिपोर्ट लगाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। हर मामले की निष्पक्ष जांच करके ही उसका निस्तारण होना चाहिए। किसी भी प्रकरण में लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य होगी।

मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए ये निर्देश प्रशासन व पुलिस के अफसरों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

तो कांग्रेस को डर लगता है, ओवैसी से!

अभयानंद शुक्ल, कार्यकारी सम्पादक

- संसद परिसर में मल्लिकार्जुन खड़गे ने सांसद इमरान मसूद से कहा, इस आदमी से बच के रहना
- कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इसको यूपी मत आने देना, ये खुद बर्बाद होगा और कांग्रेस को भी कर देगा
- इमरान मसूद से चुपके से कही गई ये बात तब लीक हुई जब गलती से खड़गे का माइक ऑन रह गया था

लखनऊ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को असदुद्दीन ओवैसी से डर लगता है। उन्हें लगता है कि अगर ओवैसी यूपी में इंडी गठबंधन में शामिल हो गए तो कांग्रेस का मुस्लिम वोट बैंक उसके हाथ से निकल जाएगा। दिल्ली में संसद परिसर में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के कान में कही गई यह बात सार्वजनिक हो गई है। अब इस बात की चर्चा मीडिया में तेजी से होने लगी है। कहा जा रहा है कि खड़गे का यह बयान कांग्रेस की बेचारगी दर्शाता है। पार्टी को लगता है कि बिहार और महाराष्ट्र के परिणामों से उत्साहित असदुद्दीन ओवैसी उसका बचा-खुचा मुस्लिम वोट बैंक भी हथिया लेंगे। पर इस मामले में कंग्रेस का कोई प्रवक्ता कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

संसद परिसर में बीते दिनों कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अपने सांसद इमरान मसूद से चर्चा कर रहे थे। बातचीत के दौरान धीमी आवाज में इमरान मसूद उन्होंने यह बात कही, लेकिन माइक ने उनकी बात पकड़ ली। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ओवैसी को यूपी में आने मत देना, वरना उसका तो कुछ नहीं बिगड़ेगा लेकिन वह कंग्रेस को खत्म कर देगा। उनका कहना था कि वह नेशनल पार्टी नहीं है, उसका तो कुछ नहीं होगा पर हमें खत्म कर देगा। खड़गे का आशय यूपी के मुस्लिम वोट बैंक से था। यानी कांग्रेस को ओवैसी से डर लगता है। शायद इसीलिए बिहार में भी ओवैसी को इंडी गठबंधन में शामिल नहीं किया गया। अब यह खबर राजनीतिक गलियारों में घूम रही है, और लोग इसे ओवैसी की बढ़ती ताकत के रूप में देख रहे हैं। इस वार्तालाप से यह भी बात साफ होती दिख रही है कि कंग्रेस भी नहीं चाहती कि ओवैसी की पार्टी इंडी अलायंस में शामिल हो।

मल्लिकार्जुन खड़गे के इस बयान में उनकी बेचारगी भी झलकती है। चर्चा हो रही है और जो पार्टी का अध्यक्ष है, उसे अपने सांसद को यह समझाना पड़ रहा है कि ओवैसी के गठबंधन में आने की कोशिशें सफल नहीं होने देना। इससे यह भी साफ है कि सारे निर्णय वे नहीं लेते हैं। असल में वह इमरान मसूद को समझाने का प्रयास कर रहे थे कि ओवैसी के साथ गठबंधन की किसी भी बात को प्रोमोट मत करना, नहीं तो वह कंग्रेस के मुस्लिम वोट बैंक को खा जाएगा। उल्लेखनीय है कि यूपी में कंग्रेस के दो विधायक हैं। सूबे में अगले साल ही विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। चूंकि बीते लोकसभा चुनाव में पार्टी ने सपा के साथ चुनाव लड़कर छह लोकसभा सीटें जीत ली हैं, और वह भी बिना ओवैसी के सहयोग के। ऐसे में कंग्रेस को लगता है कि उसकी संभावनाएं आगे भी बनी हुई हैं। वैसे बिहार और महाराष्ट्र निकाय चुनाव का ट्रेंड देखकर कंग्रेस को लगता है कि यदि ओवैसी यूपी में अकेले या इंडी के साथ चुनाव में आ गए तो कंग्रेस का मुस्लिम वोट बैंक उनके हाथ से निकल जाएगा। और यदि ऐसा हो गया तो बची-खुची कंग्रेस भी यूपी से समाप्त हो जाएगी। खैर, इस बारे में कंग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह का कहना है कि मुझे इस बात की जानकारी नहीं है। एआइएमआइएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद असीम वकार का कहना है कि इस विषय में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, हमें अभी इंतजार करना होगा।

इस प्रकार तेलंगाना के जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में ओवैसी का साथ लेकर जीतने वाली कंग्रेस यूपी में ओवैसी से ही डरी हुई है। यानी कंग्रेस भी 'मीठा-मीठा गप और कड़वा कड़वा थू' की राजनीति में विश्वास करती है। उसे तेलंगाना में तो ओवैसी का साथ पसंद है, लेकिन यूपी में उसे ओवैसी का साथ इसलिए पसंद नहीं है कि यहां ओवैसी उसका मुस्लिम वोट बैंक कब्जा कर लेंगे। और कंग्रेस के मुस्लिम प्रेम का आलम यह है कि तेलंगाना के कंग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी खुलेआम कहते हैं कि मुझे मुसलमानों के लिए रेवंतुद्दीन कहलाने में भी कोई दिक्कत नहीं है। वे कहते हैं कि कंग्रेस का मतलब मुसलमान है, और मुसलमान का मतलब कंग्रेस है।

कांग्रेस ने हमेशा देश की सुरक्षा को खतरे में डालाः प्रधानमंत्री

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कंग्रेस पार्टी को भारत का बुरा चाहने वाली और आतंकी सोच रखने वालों के साथ चलने वाली पार्टी बताते हुए उसकी तीखी आलोचना की और कहा कि यह भारत को एक राष्ट्र मानने से इनकार करती है, इससे राष्ट्र के भले की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि जो पार्टी देश को एक राष्ट्र मानने से परहेज करे, माँ भारती के प्रति सम्मान न दिखाए वह देश का भला नहीं कर सकती। वह विधानसभा चुनावों के मूड में चल रहे असम के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विपक्षी दल पर असम में केवल तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति करते तथा विकास और शांति की उपेक्षा करने के भी आरोप लगाये। प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं को इस अवसर पर पुलवामा (कश्मीर) आतंकवादी हमले की बरसी की याद दिलाते हुए उस हमले में जान गंवाने वाले जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि पुलवामा के बाद भारत ने जिस तरह आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की उसे दुनिया ने देखा है। कुछ लोग भारत की कार्रवाई से आज भी कंप रहे हैं। माॅ भारती की शक्ति को आप ने ऑपरेशन सिंदूर में भी देखा।

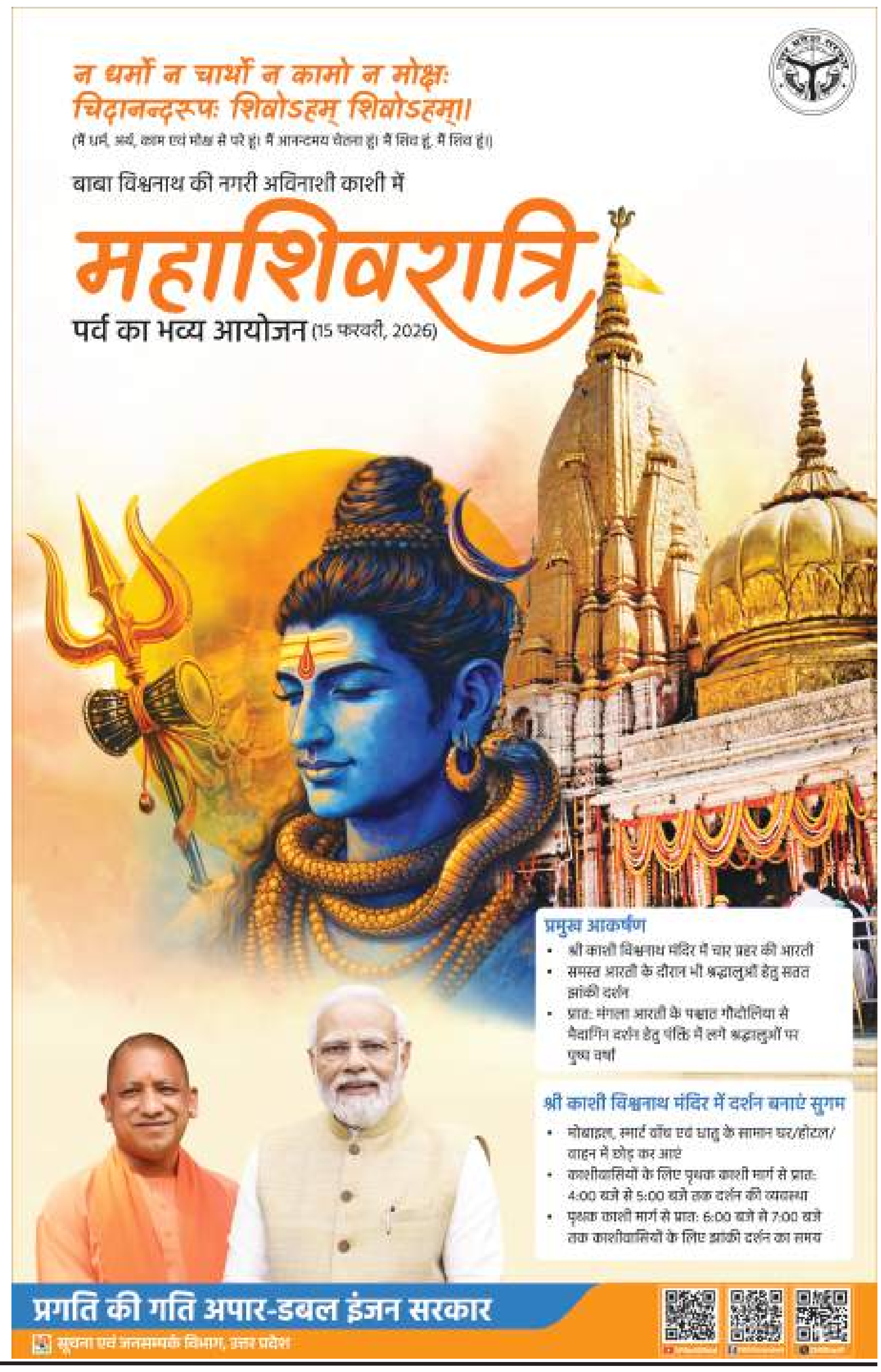

लखनऊ में सजा प्रतिभा संगीत का खूबसूरत मंच

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- वैलेंटाइन डे पर दी पूल इन संस्था ने सजाई प्रतिभा और संगीत की महफिल

लखनऊ। इस वैलेंटाइन डे पर लखनऊ के हुसैनाबाद फूड कोर्ट में एक संगीतमय शाम का आयोजन किया गया, जिसने संगीत प्रेमियों और कलाकारों को एक साथ लाकर प्रतिभा, मनोरंजन और सार्थक जुड़ाव का उत्सव मनाया गया।

इस शाम का मुख्य आकर्षण तलब और ट्राइडेंट बैंड की विशेष लाइव प्रस्तुति रही, जिसमें कलाकार हर्षदीप और राजीव ने रोमांटिक बॉलीवुड और सूफी अंदाज़ के लोकप्रिय गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। दर्शकों ने सदाबहार प्रेम गीतों और ऊर्ज़ा से भरपूर प्रस्तुतियों का आनंद लिया, जिसने पूरे माहौल को गर्मजोशी और मोहब्बत की भावना से सराबोर कर दिया। इस लाइव संगीत की शाम के साथ-साथ एंकर द्वारा संचालित हल्के-फुल्के इंटरैक्टिव सेगमेंट्स भी शामिल रहे, जिन्होंने दर्शकों की भागीदारी बढ़ाई और पूरे कार्यक्रम में उत्साह और जुड़ाव का माहौल बनाए रखा।

यह आयोजन दी पूल.इन द्वारा प्रस्तुत किया गया, जो एक उभरता हुआ टैलेंट कोलैबोरेशन और बुकिंग प्लेटफॉर्म है, जो प्रदर्शन कलाकारों को सीधे प्रतिष्ठानों से जोड़ता है। आर्टिस्ट की बुकिंग प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया यह प्लेटफॉर्म बिचौलियों, अनावश्यक कमीशन और बार-बार फॉलो-अप की आवश्यकता को समाप्त करते हुए पारदर्शी और सीधे कलाकार बुकिंग की सुविधा प्रदान करता है।

इस अवसर पर दी पूल.इन के संस्थापक विक्रांत निगम ने बताया कि यह प्लेटफॉर्म गायकों, बैंड्स, कवियों, डांसर्स और अन्य कलाकारों को समर्थन देता है, साथ ही कैफ़े, वेन्यू, ब्रांड्स, इवेंट आयोजकों और व्यक्तिगत होस्ट्स को उनके कार्यक्रमों के लिए प्रतिभा उपलब्ध कराता है। मनोरंजन से आगे बढ़कर, यह वैलेंटाइन डे लाइव म्यूज़िक ईवनिंग इस बात का जीवंत उदाहरण बनी कि किस तरह दी पूल.इन रचनात्मक प्रतिभाओं और वास्तविक अवसरों के बीच की दूरी को कम करता है। अपने टैगलाइन ल्डाईव इनङ्क के साथ, दी पूल.इन का उद्देश्य स्थानीय रचनात्मक इकोसिस्टम को मजबूत बनाना है, ताकि प्रतिभा की खोज और बुकिंग की प्रक्रिया अधिक सुलभ, प्रभावी और सामुदायिक बन सके।

कालिंजर महोत्सव : बांदा में सजेगा तीन दिवसीय सांस्कृतिक महासंगम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड के बांदा जिले के ऐतिहासिक धरती पर 15 फरवरी से 17 फरवरी तक तीन दिवसीय भव्य कालिंजर महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। 'इतिहास की गूंज, संस्कृति की आत्मा' थीम पर आधारित यह महोत्सव उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और कलात्मक उत्कृष्टता का अद्भुत उत्सव होगा। महोत्सव का आयोजन जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद तथा जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से कटरा कालिंजर मेला ग्राउंड में किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'कालिंजर महोत्सव के दौरान बुंदेली लोक नृत्य, आल्हा गायन, भजन और लोकगीतों सहित विविध प्रस्तुतियां होंगी, जो क्षेत्र की समृद्ध परंपराओं को नया मंच प्रदान करेंगी। जनपद के प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक वैभव से परिपूर्ण कालिंजर किले की पृष्ठभूमि में यह आयोजन आगंतुकों को लोक उत्सव के वातावरण में इतिहास और संस्कृति से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए भी स्मरणीय अनुभव सिद्ध होगा।

कालिंजर महोत्सव के तीन दिवसीय आयोजन में जहां एक ओर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा बिखेरेगी, वहीं लोक महोत्सव के माध्यम से युवाओं की ऊर्जा और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को मंच मिलेगा। 'बांदा गॉट टैलेंट' के जरिए स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर मिलेगा तो 'आज की शाम कालिंजर के नाम' के अंतर्गत विभिन्न विधाओं के कलाकार, गायक और खिलाड़ी अपनी विधा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। यह महोत्सव स्थानीय सांस्कृतिक धरोहर की झलक के साथ परंपरा और नवाचार का उत्सव बनकर भी उभरेगा। महोत्सव अंतर्गत मंडलीय सरस मेले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

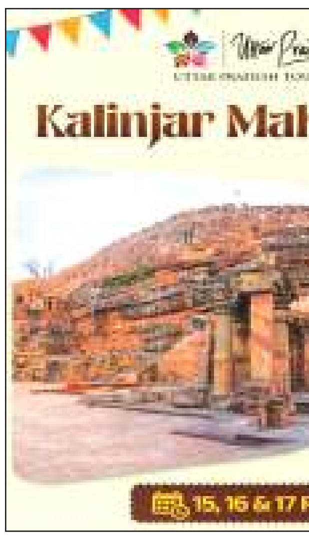

(एनआरएलएम) से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी एवं विभागीय स्टॉल लगाए जाएंगे तथा सम्मेलन एवं गोष्ठी भी होगी। खेल महोत्सव प्रतिदिन सुबह 8 बजे से दोपहर 4 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें 15 फरवरी को खो-खो प्रतियोगिता, 16 फरवरी को कबड्डी प्रतियोगिता तथा 17 फरवरी को दंगल प्रतियोगिता का आयोजन होगा। कालिंजर महोत्सव के अंतर्गत 'बांदा गॉट टैलेंट' का आयोजन रोजाना दोपहर एक बजे से तीन बजे तक किया जाएगा, जिसके अंतर्गत 15 फरवरी को विद्यालय स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। 16 फरवरी को महाविद्यालय स्तरीय प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे, जबकि 17 फरवरी को सांस्कृतिक उत्सव 2025-26 के जनपद स्तरीय विजेताओं द्वारा विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कालिंजर महोत्सव में 15, 16 व 17 फरवरी को प्रतिदिन दोपहर चार बजे से सायं छह बजे तक 'स्थानीय सांस्कृतिक धरोहर' के अंतर्गत बुंदेली लोक संस्कृति की प्रस्तुतियां होंगी। इनमें बुंदेली लोक नृत्य, बुंदेली लोक गायन, वीर रस से ओत-प्रोत आल्हा गायन तथा भजन एवं लोक गीतों के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध परंपरा की झलक दर्शकों को देखने को मिलेगी। 'आज की शाम कालिंजर के नाम' के अंतर्गत महोत्सव में प्रतिदिन शाम छह बजे से रात्रि 10 बजे तक सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन किया जाएगा। 15 फरवरी को तृप्ती शाक्या एण्ड ग्रुप अपनी प्रस्तुति से माहौल को सुरमयी बनाएंगी। 16 फरवरी को साधो द बैण्ड एण्ड ग्रुप तथा राधा श्रीवास्तव एण्ड ग्रुप दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। वहीं, 17 फरवरी को ममता शर्मा एवं राजा रेन्चो अपनी प्रस्तुतियों से महोत्सव की संध्या को यादगार बनाएंगे। अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि 'कालिंजर महोत्सव-2026 बुंदेलखंड की ऐतिहासिक चेतना और जनभागीदारी का सशक्त उत्सव है। गणतंत्र दिवस की झांकी में भी कालिंजर किला को प्रमुखता से प्रदर्शित कर उसकी वैश्विक पहचान को नई ऊंचाई दी गई है। पर्यटन विभाग का सतत प्रयास है कि बुंदेलखंड के चर्चित एवं विरासत स्थलों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर सशक्त रूप से स्थापित किया जाए। हमें विश्वास है कि यह आयोजन पर्यटन संवर्धन, स्थानीय अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उप्र के आठ जिलों में 16 से 28 फरवरी तक भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आठ जिलों में 16 से 28 फरवरी तक भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव 2026 आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव की शुरुआत 16 व 17 फरवरी को कुशीनगर से होगी। यह महोत्सव भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रिश्तों को और मजबूत बनाने का एक बड़ा प्रयास है। कुशीनगर के बुद्ध पी.जी. महाविद्यालय में 16-17 फरवरी को कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके बाद 18-19 फरवरी को सिद्धार्थनगर के बीएसए ग्राउंड में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। 20 फरवरी को महाराजगंज के जवाहर लाल नेहरू पी.जी. कॉलेज में, 21 फरवरी को बलरामपुर के थारू जनजाति संग्रहालय इमलिया कोडर में और 22 फरवरी को श्रावस्ती के जगजीत इंटर कॉलेज में महोत्सव आयोजित होगा। 24 फरवरी को बहराइच के रामलीला ग्राउंड भीमराव अंबेडकर पार्क, सोनी बलईपुर में कार्यक्रम होगा। 26 फरवरी को लखीमपुर खीरी के राजकीय एकलव्य आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज, एकीकृत जनजाति विकास परियोजना परिसर में आयोजन किया जाएगा, जबकि 27-28 फरवरी को पीलीभीत के गांधी स्टेडियम प्रेक्षागृह में महोत्सव का समापन कार्यक्रम होगा। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कि यह महोत्सव दोनों देशों की साझा विरासत, परंपराओं और आपसी भाईचारे को मंच देने का काम करेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से लोगों का दिल जीतेंगे और दोनों देशों के बीच सद्भाव का संदेश देंगे। महोत्सव के मुख्य आकर्षणों में भव्य सांस्कृतिक शोभा यात्रा, कवि सम्मेलन और संगोष्ठी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

14 साल से फरार हत्यारोपी गिरफ्तार, लखनऊ जीआरपी ने अहमदाबाद से दबोचा

लखनऊ। लखनऊ जीआरपी ने 14 साल से फरार चल रहे 50 हजार रुपए के इनामिया हत्यारोपी संत कुमार को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी रायबरेली में रेलवे के एक केबिनमैन की हत्या के मामले में दोषी ठहराया जा चुका है और उसे आजीवन कारावास की सजा भी सुनाई जा चुकी है। इसके बावजूद वह नाम बदलकर परिवार के साथ फरार जीवन जी रहा था। यह मामला वर्ष 2012 का है, जब रायबरेली स्थित रेलवे के केबिनमैन की हत्या कर दी गई थी। जांच के दौरान सामने आया था कि मृतक के बेटे ने ही अपने तीन साथियों के साथ मिलकर साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने संत कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई, लेकिन वह गिरफ्तारी से बचता रहा और लंबे समय तक पुलिस को चकमा देता रहा। एसपी जीआरपी रोहित मिश्रा के मुताबिक, संत कुमार गिरफ्तारी से बचने के लिए गुजरात के अहमदाबाद में नाम बदलकर रह रहा था। वह वहां परिवार के साथ सामान्य जीवन जी रहा था, ताकि किसी को उस पर संदेह न हो। पुलिस को इनपुट मिला कि आरोपी गुजरात में छिपा है, जिसके बाद लखनऊ डिवीजन की जीआरपी टीम को सक्रिय किया गया। सूचना के आधार पर जीआरपी की टीम अहमदाबाद पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे लखनऊ लाया जा रहा है, जहां आगे की विधिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। लंबे समय से फरार चल रहे संत कुमार पर 50 हजार रुप का इनाम घोषित था। जीआरपी की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि फरारी के दौरान आरोपी किन-किन लोगों के संपर्क में था और किसने उसे शरण दी।

पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे आप कार्यकर्ताओं को हाथ-पैर पकड़कर टांगा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने नरेंद्र मोदी-डोनाल्ड ट्रंप के बीच कथित ट्रेड डील के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। स्वास्थ्य भवन चौराहे पर जुटे कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रदर्शन उग्र होता कि उससे पहले ही पुलिस कार्यकर्ताओं को हाथ-पैर पकड़कर टांग लिया। उन्हें गाड़ी में भरकर इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन का नेतृत्व आम आदमी पार्टी की जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने किया। उनके नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता स्वास्थ्य भवन चौराहे पर एकत्र हुए और सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की। इरम रिजवी ने कहा कि यह समझौता देश के हितों के खिलाफ है और इससे स्थानीय उद्योग, कृषि और लघु व्यापार प्रभावित होंगे। इस डील की शर्तों को केंद्र सार्वजनिक करे और संसद में चर्चा करे। प्रदर्शन के दौरान पार्टी नेताओं ने कहा कि सरकार अंतरराष्ट्रीय समझौतों के नाम पर किसानों और व्यापारियों के हितों की अनदेखी कर रही है। उनका आरोप था कि विदेशी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए घरेलू बाजार को कमजोर किया जा रहा है।कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर किसान विरोधी डील वापस लो और ल्व्यापारी विरोधी नीति नहीं चलेगी जैसे नारे लगाए। मौके पर यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। आम आदमी पार्टी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सरकार ने ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन को प्रदेशभर में तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ शुरुआत है और आने वाले दिनों में जिलास्तर पर भी विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे।

होटल सेलेस्टियल मेनोर का विस्तार

लखनऊ। लखनऊ स्थित होटल सेलेस्टियल मेनोर ने अपने विस्तार की आधिकारिक घोषणा करते हुए तेलीबागदृवृंदावन क्षेत्र में नई प्रीमियम होटल परियोजना द आर्केडियम सेंट्रल प्रारंभ करने की जानकारी दी। यह परियोजना 4-स्टार मानकों के अनुरूप विकसित की जाएगी, जिसमें आधुनिक आतिथ्य सेवाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

जिला विद्यालय निरीक्षक के नेतृत्व में कैरियर काउंसिलिंग मेले का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समग्र शिक्षा (माध्यमिक) जिला परियोजना कार्यालय लखनऊ के द्वारा एक भव्य कैरियर काउंसिलिंग मेला का आयोजन राजकीय बालिका इण्टर कालेज, छोटी जुबिली में शनिवार को आयोजित किया गया। जिसमें अपने-अपने क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने खेल, विज्ञान, कला, वाणिज्य, इंजीनियरिंग, कौशल विकास, चिकित्सा, प्रतियोगी परीक्षाओं जैस कैरियर विकल्पों में मार्गदर्शन प्रदान किया। मेंले में सैकड़ों की संख्या उपस्थित छात्राओं को अपने भविष्य में सही राह को चुनरने का मार्गदर्शन मिला। इस भव्य कैरियर काउंसिलिंग मेंले का उदघाटन उप-निदेशक माध्यमिक शिक्ष लखनऊ मंडल रेखा दिवाकर ने किया। इस अवसर पर राजकीय इंटर कालेजों के प्रधानाचार्य, शिक्षक,शिक्षिकायें तथा छात्र व छात्रायें उपस्थित थे। इस कैरियर काउंसिलिंग मेले का आयोजन जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार के मार्गदर्शन व जिला समन्वयक संतोष कुमार मिश्रा की देखरेख में सम्पन्न हुआ। अतिथियों का स्वागत जिला विद्यालय निरीक्षक ने किया। उन्होने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का सर्वागीण विकास होला है। साथ ही उनकों अपने उज्जवल भविष्य की राह चुनने में आसानी होती है। कार्यक्रम का सफल संचालन शाजिया बानो तथा कृष्ण कुमार शुक्ला ने किया। इस अवसर पर सह जिला विद्यालय निरीक्षक मनीषा द्विवेदी,डा0 अंकिता सिंह, मनीष तिवारी, प्रवीण श्रीवास्तव, डा0 अनिता सिंह, पूनम शाही सहित अनेक अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय करुणा साहित्यिक संस्थान का डिजिटल कार्यक्रम सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय करुणा साहित्यिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्थान के तत्वावधान में ऑनलाइन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वन्दना से किया गया।मधु स्वामी ने किया।इस डिजिटल कार्यक्रम की कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ कनक लता तिवारी जी (मुम्बई) रहीं। मुख्य अतिथि डॉ संतोष खन्ना (दिल्ली) एवं विशिष्ट अतिथि डॉ मृणालिका ओझा (छत्तीसगढ़) और डॉ ऊषा सक्सेना (मुम्बई) रहीं। कार्यक्रम का सानदार संचालन जागृति सिन्हा (मुम्बई) ने किया।

साहित्य के स्तम्भ महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी की जयंती विशेष, महाशिवरात्रि व वसंतोत्सव के आगमन का विषय रहा। सर्व प्रथम पूनम शर्मा (गोरखपुर)ने अपने दोहा - कहता अनुभव कुछ यहां,जगत कहे कुछ और। खुली आंख रखना सदा, करना सब पर गौर।। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ संतोष खन्ना ने -मेरी सबसे दोस्ती,मेरा सब से प्यार। अपने प्यारे

सबमें भर भर बांटूं प्यार।शिव हैं कण-कण शिव हैं जन- जन धरा और अंबर सत्यम् शिवम् सुंदरम''। डॉ कनक लता तिवारी ने बहती रहो गंगा,बहती रहो गंगा अविचल मीठी -सी मृदु धार लिए। मधु स्वामी ने ''हे शिव शंकर भोले तेरे हाथ में कश्ती है, मुझे पार लगा देना,मेरी आंखें बरसती हैं।''डॉ मृणालिका ओझा ने छत्तीसगढ़ी में गायन प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया-''जब तोर सुरता,आथे संगी,मन ह महकथे तन है दहकते।'' जागृति सिन्हा -हेभोले मेरे शिव भण्डारी हे विशेश्वर महिमा तुम्हारी, मैं मूरख मुझे ध्यान नहीं है,सच और झूठ का ज्ञान नहीं है।''परिणिता सिन्हा (गुरुग्राम) चुंबन है अति प्रासंगिक लेकिन,उस पर हो सीमा नैतिक।चुंबन दिवस का कीजै विस्तार लेकिन नहीं जाए वो मर्यादा की सीमा से पार।'' अर्चना जैन (भीलवाड़ा)-''सारी शक्तियों के पुरुषार्थ से भाग्य उकेरे जाते हैं, ज्यादातर का नियंता है वो, जन्म से रिश्ते बनते जाते हैं। सभी ने अपने प्रस्तुति से कार्यक्रम को अनोखा और अर्थपूर्ण बना दिया। अंत में संस्था की संस्थापिका एवं अध्यक्ष डॉ आर्यावर्ती सरोज ''आर्या '' ने धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम को सम्पूर्ण किया।

अभिनव भारत पार्टी का द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन 26 फरवरी को

लखनऊ। क्रांतिकारी वीर विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि के अवसर पर अभिनव भारत पार्टी का द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी 26 फरवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण अधिवेशन में पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा भी की जाएगी। पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री ममता झा ने अधिवेशन की घोषणा करते हुए बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां पूरे उत्साह और व्यापक स्तर पर प्रारंभ कर दी गई हैं। देश के विभिन्न राज्यों से पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा अनेक प्रमुख संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति की संभावना है। ममता झा ने कहा कि वीर सावरकर के विचारों ल्राजनीति का हिन्दूकरण और हिन्दुओं का सैनिकीकरणल्ल की वैचारिक पृष्ठभूमि पर गठित अभिनव भारत पार्टी स्वयं को चिंतन, आंदोलन और क्रांति की धारा से प्रेरित राजनीतिक संगठन मानती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष चेतन शर्मा के नेतृत्व में पार्टी राष्ट्रवाद और सावरकर के विचारों को आधार बनाकर भारतीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा रही है। अधिवेशन में संगठन विस्तार, राष्ट्रीय मुद्दों पर प्रस्ताव तथा आगामी रणनीतियों पर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की संभावना है।

रमज़ान का पहला रोज़ा 19 या 20 फरवरी को होगा: मौलाना खालिद रशीद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। ईदगाह, लखनऊ में रमजानुल मुबारक की तैय्यारियों के सिलसिले में जिला प्रशासन, पुलिस कमिश्नरेट और इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल के जिम्मेदारों और उलमा की एक अहम् मीटिंग मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली इमाम ईदगाह, लखनऊ की अध्यक्षता में हुई। मौलाना ने जिला प्रशासन के अधिकारियों का ध्यान इस बात पर दिलाया कि रमजान के पवित्र महीने में पूरे शहर, विशेष रूप से मुस्लिम बहुल्य क्षेत्रों में सुरक्षा और सफाई की उचित व्यवस्था की जाये। उन्होंने कहा कि 18 फरवरी 2026 को अगर चांद हो जायेगा जिसकी पूरी सम्भावना है तो तरावीह उसी रात से शुरू हो जाएगी और पहला रोजा 19 फरवरी को होगा। इस लिए ईदगाह और शहर की सभी मस्जिदों के आस पास सफाई का उचित ध्यान रखा जाये और इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि इफतार, तरावीह व सेहरी के समय बिजली न जाये। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि तरावही की सबसे बड़ी जमात जामा मस्जिद ईदगाह में होती है जो कि 7:45 बजे रात से होगी इसमें पॉच पारे सुनाये जायेंगे जिसके लिए सुरक्षा और सफाई की व्यवस्था की जाये। उन्होंने कहा कि ऐशबाग़, बिल्लौचपुरा, अकबरी गेट, नक्खास, मौलवी गंज, गोलागंज, अमीनाबाद कसाई बाड़ा, मछली मुहाल, हुसैनाबाद, डालीगंज, खदरा, खुर्रम नगर और अन्य मुस्लिम बहुल्य क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को सही किया जाए। मौलाना ने कहा कि रमजानुल मुबारक एक पवित्र महीना है। इस में पूरे महीने मुसलमान इबादत करते हैं। रमजान के बाद ईद का त्यौहार मनाया जाता है। उन्होने कहा कि जिला प्रशासन इस बात को सुनिश्चित बनाये कि शहर में विशेष तौर पर पुराने शहर में किसी को भी अमन व शान्ति के साथ खिलवाड़ न करने दिया जाए। मौलाना ने अवाम से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी के बहकावे में भी न आयें। मीटिंग में इस बात की भी मांग की गयी सेहरी के समय पानी की अतिरिक्त सप्लाई दी जाये जिससे रोजेदारों को कोई परेशानी न हो। डी0सी0पी पश्छिमी विश्वजीत श्रीवास्तव ने बैठक में उपस्थित तमाम लोगों को सम्बोंधित करते हुए यह आश्वासन दिलाया कि इस वर्ष सम्पूर्ण व्यवस्था पहले से अच्छी करने का प्रयास किया जायेगा। उन्होने ने सभी विभागों के अधिकारियों को ओदश दिया कि रमजान की तैय्यारियॉ वक्त से पहले पूरी करली जायें। उन्होंने कहा कि रमजान जैसे पवित्र महीने में अमन व शान्ति भंग करने वालों को छोड़ा नही जाएगा और उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी और उन्होने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को इस सिलसिले में विस्तार से आदेश जारी किये और इमाम ईदगाह लखनऊ को यकीन दिलाया कि इस साल और अच्छी व्यवस्था की जा रही है। उन्होने ने इस्लामिक सेन्टर और अन्य विभागों को मुबारकबाद देते हुए कहा कि जिस तरह शबे बरात खुशगवार माहौल में गुजर गयी वह तारीफ के काबिल है। मीटिंग को सम्बोधित करते हुए ए0डी0सी0पी पश्छिमी धनंजय सिहं ने कहा कि रमजान में पुलिस विभाग अमन व शान्ति कायम रखने के लिए हर सम्भव कोशिश कर रहा है और टीमों का भी घठन किया जा रहा है किसी को भी कानून के साथ खिलवाड़ नही करने दिया जायेगा। इस सिलसिले में हमें आशा है कि शाही इमाम और अवाम का सहयोग पहले की तरह मिलता रहेगा। सिटी मजिस्ट्रेट ज्ञान चन्द्र गुप्ता ने कहा कि मौलाना खालिद रशीद और अन्य उलमाक्राम ने जिन बातों पर ध्यान दिलाया है उन पर अमल किया जायेगा। एडिश्नल चीफ मेडिकल अधिकारी एम0 एच0 सिद्दीक़ी ने अपने पूरे सहयोग का यकीन दिलाया।

शादी से लौट रहे युवक की एक्सीडेंट में मौत, डिलीवरी बॉय ने पहुंचाया अस्पताल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज क्षेत्र के रहने वाले 28 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। युवक आलमबाग में एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहा था, तभी लंगड़ा फाटक के पास कोई वाहन उसकी बाइक को टक्कर मारकर फरार हो गया। वह सड़क पर तड़प रहा था तो एक डिलीवरी बॉय ने उसे अस्पताल पहुंचाया लेकिन बचाया नहीं जा सका। कैंपल रोड स्थित रीफा कॉलोनी ठाकुरगंज निवासी नितिन कुमार (28) पुत्र ज्ञान प्रकाश एक प्राइवेट कंपनी में काम रहते थे। परिवार में मां प्रतिमा सिंह और छोटा भाई वैभव हैं। परिजनों के मुताबिक, नितिन शुक्रवार रात आलमबाग के होटल में शादी समारोह में शामिल होने गया था। रात में करीब 1 बजे वो वापस लौट रहा था। तभी किसी अज्ञात गाड़ी ने उसको टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि नितिन गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से भाग निकला। स्थानीय लोगों की सूचना पर वहां से गुजर रहे एक डिलीवरी बॉय ने मानवता दिखाते हुए नितिन को तत्काल लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय, लखनऊ पहुंचाया।

सर्कुलर इकोनॉमी भविष्य की आवश्यकता: डा. तनेजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेंद्र नगर लखनऊ के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो.फ़ेसर मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता में प्रबंधक विजय दयाल के संरक्षकत्व में रसायन शास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉक्टर नेहा अग्रवाल के संयोजकत्व में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन ब्रीजिंग डिसप्लींस थ्रू केमिकल साइंस फार ए सस्टेनेबल फ्यूचर- 2026 हाईब्रिड मोड से आयोजित हुआ। द्वितीय दिवस का प्रथम वर्चुअल सत्र डॉ नेहा अग्रवाल द्वारा संचालित हुआ इस सत्र में जर्मनी से प्रो.फ़ेसर मेरी गार्सन अध्यक्ष आई .पी.यू.ए.ने अपना व्याख्यान आनलाईन मोड से प्रस्तुत किया।

द्वितीय प्लेनरी सत्र रहा जिसमें प्रमुख वक्ता डा अनिरुद्ध पाटिल, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय मुंबई,ने' स्ट्रक्चरल री इंजीनियरिंग आफ मीशो कंपोजिट मैटीरियल फार सेंसर एप्लिकेशन' विषय पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी।

प्रो0 अजय विशेकर, डरबन साउथ अफ्रीका ने' री ज्यूविनेशन आफ सेलूलाज बेस्ड इंसुलेटिंग पेपर यूस्ड इन हाई वोल्टेज पावर ट्रांसफार्मरस 'पर अपने विचार रखे।

प्रो विजय पारे पूर्व अध्यक्ष ए.सी. टी इंडिया माधव साइंस पी जी कॉलेज , उज्जैन ने ' सस्टेनबिलिटी थ्रू सर्कुलर केमेस्ट्री पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया इस प्लेनरी सत्र का संचालन डॉ अनुरिमा बनर्जी द्वारा किया गया।

डॉ सुनीता सिंह और डॉ प्रतिमा घोष द्वारा संचालित सेमिनार का अगला सत्र फ्लैश टाक प्रजेंटेशन पर आधारित रहा।इस सत्र के प्रमुख वक्ता डॉ विवेक मिश्र वरिष्ठ वैज्ञानिक एच.जे.आई जर्मनी ने ''निकानिज्म जेवलिन सिंथेसिस एज एन डिजाइन टू फार केमिकल केमिस्ट्री''विषय पर अपने विचार रखें।

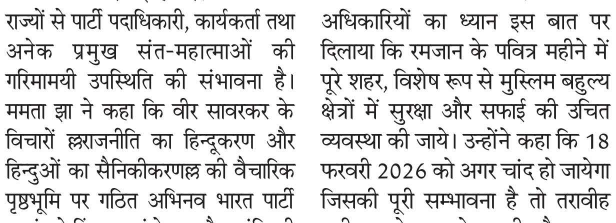

उन्होंने कहा कि किसी रासायनिक अभिक्रिया के मैकेनिज्म यानि उसकी चरणबद्ध प्रक्रिया को समझकर दवा का संश्लेषण करना ।बी बी ए यू बिहार जगदलपुर से डॉ अभय नंदा श्रीवास्तव ने कहा कि आधुनिक मेडिसिनल केमिस्ट्री की महत्वपूर्ण रणनीति है कि यह वैज्ञानिकों को दवाएं अधिक प्रभावी सुरक्षित और सटीक बनाने में सहायता करती है। इनका शोध पत्र पर्यावरण अनुकूल रसायन पर आधारित रहा प्रो रामकुमार तिवारी बी एस एन बी पी जी कालेज लखनऊ आदि विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। शोधार्थियों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन भी किया गया इसमें आकृति श्रीवास्तव बी एस सी चतुर्थ सत्र नवयुग कन्या महाविद्यालय को प्रथम तथा सुदक्षिणा त्रिवेदी लखनऊ विश्वविद्यालय को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। पोस्टर प्रजेंटेशन सत्र शोधार्थियों द्वारा प्रश्न एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा शांति हेतु समुचित उत्तर दिया गया। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय से विदेशी छात्राएं कैरोलिना, डेंटल, अन्ना ईलाकेला बायो कुस्तोषो आदि ने पावर प्वाइंट से पेपर प्रेजेंट किया।समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो.फ़ेसर अजय तनेजा कुलपति ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ एवं विशिष्ट अतिथि डॉ अनुज कुमार शर्मा डीन ए.के.टी.यू लखनऊ की गरिमामयी उपस्थिति रही। । सभी अतिथियों का सम्मान प्राचार्य द्वारा अंगवस्त्रम्, स्मृति चिन्ह एवं पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक पौधा देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के अपने उद्बोधन में कहा कि सर्कुलर इकोनामी भविष्य के लिए आवश्यक है रेखीय अर्थव्यवस्था का विकल्प है जिसमें उत्पादों, सामग्रियों और संसाधनों का पुनः उपयोग मरम्मत पुनर्निर्माण और पुनर्चक्रण किया जाता है ताकि लंबे समय तक अर्थव्यवस्था में बना रहे। यह आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में सहायक है। विशिष्ट अतिथि डॉ अनुज कुमार शर्मा ने स्टार्टअप पर जोर दिया और कहा पर स्टार्टअप नए-नए रोजगार पैदा करते हैं इससे बेरोजगारी कम होती है और युवाओं को अपने ही क्षेत्र में काम मिलता है देश की जीडीपी बढ़ाने में सहायक है। समापन सत्र में दो दिवसीय सेमिनार की पूर्ण रिपोर्ट सेमिनार संयोजिका असिस्टेंट प्रो.फ़ेसर डॉ नेहा अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत की गई। आनलाईन एवं आफलाईन विभिन्न सत्रों का संचालन विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया। आफलाईन ओरल प्रजेंटेशन में डॉ कल्याणी दीक्षित प्रथम तथा वैशाली सिंह द्वितीय ऑनलाइन पोस्टर प्रेजेंटेशन में शशांक प्रथम और शिवाशीष द्वितीय स्थान पर रहे।इस अवसर पर देश विदेश के विषय विशेषज्ञ विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की सम्मानित प्रवक्ताएं शोध छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में आनलाईन आफलाईन उपस्थित रहे। द्वितीय दिवस के सभी सत्रों का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।समापन सत्र का संचालन डॉक्टर क्षितिज शुक्ला के द्वारा किया गया सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.फ़ेसर मंजुला उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत किया गया।

चलती बाइक पर युवक की गर्दन में उलझा चाइनीज मांझा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझा लोगों की जान पर बनता जा रहा है। थाना हुसैनगंज क्षेत्र में शेर वाली कोठी के पास रहने वाले 29 वर्षीय मोहम्मद मुशर्रफ शनिवार को चाइनीज मांझे का शिकार हो गए। वह अपनी पत्नी और छोटी बच्ची के साथ बाइक से हुसैनगंज से लालकुआं जा रहे थे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही उनकी बाइक फ्लाईओवर पर पहुंची, अचानक चाइनीज मांझा सामने आ गया। मुशर्रफ संभल पाते उससे पहले मांझा उनकी गर्दन में उलझ गया। तेज धार मांझे से उनकी गर्दन कट गई और दर्द से घबराकर उन्होंने अचानक ब्रेक लगा दी। बाइक स्लिप हो गई और तीनों फ्लाईओवर पर ही गिर पड़े। हादसे में मुशर्रफ गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि उनकी पत्नी को भी चोटें आईं। छोटी बच्ची बाल-बाल बच गई। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत मदद की। मुशर्रफ और उनकी पत्नी को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद मुशर्रफ की हालत स्थिर है। मुशर्रफ ने बताया मैं पत्नी और बच्ची के साथ बाइक से लालकुआं जा रहा था। फ्लाईओवर पर मांझा गर्दन में फंस गया। इससे बाइक कंट्रोल से बाहर हो गई। पत्नी और बच्ची समेत फ्लाईओवर पर गिर गया। गनीमत रही कि फ्लाईओवर से नीचे नहीं गिरा या पीछे से आ रहे किसी वाहन की चपेट में नहीं आए, वरना बड़ा हादसा हो जाता। गिरने से पत्नी को भी चोटें आई हैं। उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है। मुशर्रफ ने कहा प्रतिबंधित होने के बावजूद लोग चाइनीज मांझे का प्रयोग कर रहे हैं। यह जानलेवा बन रहा है। ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि लोगों की जान बच सके।

रेलवे के महाप्रबंधक ने हरदोई क्षेत्र में ट्रैक व पुल कार्यों का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे अशोक कुमार वर्मा ने अपने मुरादाबाद मंडल निरीक्षण दौरे के क्रम में हरदोई क्षेत्र में चल रहे विभिन्न रेल कार्यों का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरे के दौरान उन्होंने हरदोई स्टेशन स्थित मोड़ पर पटरियों पर किए जा रहे सुधार एवं अनुरक्षण कार्यों का गहन निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने ट्रैक की गुणवत्ता, फिटिंग, सरेखण तथा संरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं से कार्य की प्रगति, तकनीकी मानकों तथा सुरक्षा उपायों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि रेल पटरियों से संबंधित सभी कार्य उच्च गुणवत्ता एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं, ताकि रेल संचालन पूरी तरह सुरक्षित और सुचारु बना रहे। निरीक्षण क्रम में उन्होंने बालामऊ एवं हरदोई के मध्य सई नदी पर स्थित महत्वपूर्ण रेलवे पुल का भी निरीक्षण किया। पुल की संरचनात्मक मजबूती, रख-रखाव व्यवस्था, पिलरों की स्थिति तथा सुरक्षा प्रबंधों का अवलोकन किया गया। उन्होंने अधिकारियों से नियमित मॉनिटरिंग, समय-समय पर तकनीकी परीक्षण तथा संरक्षा ऑडिट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने कहा कि रेलवे संरचना की मजबूती एवं यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कार्य भारतीय रेल के निर्धारित मानकों के अनुरूप ही संपादित हों। इस अवसर पर विनीता श्रीवास्तव, मंडल रेल प्रबंधक, मुरादाबाद डिवीज़न सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं संबंधित विभागों के अभियंता उपस्थित रहे।

मातारानी स्थापना दिवस पर 111 व्यंजनों का भोग, भक्ति में डूबा बघौली

राष्ट्रीय प्रस्तावना

बघौली (हरदोई)। कस्बे में 13 फरवरी को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। मातारानी के स्थापना दिवस के पावन अवसर पर सुनील गुप्ता की माताजी एवं उनकी धर्मपत्नी मीनू गुप्ता द्वारा भव्य पूजा.अर्चनाए भजन-कीर्तन और भोग का आयोजन किया गया। विधि-विधान से मां दुर्गा का पूजन कर 111 व्यंजनों का विशेष भोग अर्पित किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया गया। भजन-कीर्तन में भक्तों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरा वातावरण जयकारों से गूंज उठा। अयोध्या से पधारे महंत रामदास जी ने भक्तों को सत्मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आयोजक सुनील गुप्ता बचपन से ही भक्ति भाव से जुड़े रहे हैं और आज उनका पूरा परिवार धार्मिक कार्यों में समर्पित है। कार्यक्रम में वयोवृद्ध भोला गुप्ता ने दुर्गा मां की वंदना प्रस्तुत की, वहीं नितिन गुप्ता ने भजन गाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। पूर्व प्रधान सुरेश गुप्ता ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

हर वर्ष की तरह इस बार भी आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ, जहां श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।

कोतवाली परिसर में शांति समिति की बैठक हुई

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। विकास खंड में आगामी महाशिवरात्रि होली और रमजान पर्वों को लेकर शनिवार को कोतवाली परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। इसमें उपजिलाधिकारी अंकित तिवारी और क्षेत्राधिकारी अजीत चौहान ने जनता से शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील की।

एसडीएम अंकित तिवारी और सीओ अजीत चौहान ने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल कानून का पालन कराना नहीं बल्कि सभी नागरिकों की खुशियों को सुरक्षित रखना है। कोतवाली प्रभारी छोटे लाल ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया और ग्रामीणों को पुलिस के सहयोग का आश्वासन दिया। सीओ अजीत चौहान ने भूरेश्वर मंदिर में होने वाले कीर्तन और धार्मिक आयोजनों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि परंपराएं हमारी धरोहर हैं लेकिन नियमों का पालन आवश्यक है। उन्होंने मंदिर परिसर में लगे कैमरों की जांच और साफ-सफाई के निर्देश भी दिए। रमजान और होली के एक साथ पड़ने के मद्देनजर एसडीएम ने विशेष अपील की। उन्होंने कहा कि होली का रंग किसी इबादतगाह या रंग से परहेज करने वाले व्यक्ति पर न डाला जाए। उन्होंने बड़ों से बच्चों को समझाने और भाईचारे का संदेश देने का आग्रह किया। अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने की बात कही। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी भ्रामक या भड़काऊ पोस्ट को साझा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिजिटल माध्यमों का दुरुपयोग वास्तविक जीवन की शांति भंग नहीं करने दिया जाएगा। कोतवाली प्रभारी छोटे लाल ने बताया कि होली पर शराब पीकर हुड़दंग करने वालों और तीन सवारी बाइक चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगीए कोई सिफारिश स्वीकार नहीं की जाएगी। नाबालिगों को बाइक चलाने देने वाले अभिभावकों पर भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीजे संचालकों को भी निर्देश दिए गए कि वे केवल शांतिपूर्ण संगीत बजाएं, जिससे किसी को परेशानी न हो।

कलाकारों द्वारा लंका दहन की लीला का मंचन किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। भगवान श्री रामचंद्र जी के चरित्र में वृंदावन से आए हुए सुन्दर कलाकारों द्वारा लंका दहन की लीला का मंचन किया गया, जिसमें सीता जी की खोज को सब वानर जाते हैं और समुद्र के किनारे बैठ जा जाते हैं, तब जामवंत जी उनको अपना बल याद दिलाते हैं तब हनुमान जी समुद्र को पार करके लंका जाते हैं और वहां पर विभीषण जी से मिलन होता है, वह सीता जी के बारे में बताते हैं! पर हनुमान जी जब अशोक वाटिका जाते हैं तो उस समय रावण आ जाता है, सीता जी को बड़ा ही धमकाता है, और फिर रावण वहा से चला जाता हैए तब हनुमान जी मुद्रिका डाल देते हैंए और सीता जी हनुमान जी से मिलती है और आशीर्वाद देती है तुम अजर अमर हो जाओ! हनुमान जी को भूख लगती है तो अशोक वाटिका में जाते हैं फल तोड़कर खाते हैं माली रोकते हैं तो सबको मारते हैंए फिर उन्हें मेघनाथ बंदी बनाके ले जाता है, रावण उनकी पूछ में आग लगाने का आदेश देता है, और उनकी पूछ में आग लगा दी जाती हैएतो हनुमान जी उसकी सोने की लंका को अपनी पूछ से जला देते है! यह दृश्य देख सभी भक्त बड़े भाव विभोर हुए!

मुख्य आयोजक- राम प्रकाश शुक्ला, श्रीकृष्ण अवतार दीक्षित, अमलेन्द्र नाथ मिश्रा, संजीव कुमार श्रीवास्तव, उमेश चंद्र मिश्रा राजेंद्र त्रिवेदी, रजनीश श्रीवास्तव, प्रेम शंकर द्विवेदी, अशोक शुक्ला, प्रदीप पाठक, प्रीतेश दीक्षित, प्रियम मिश्रा, मनोज शुक्ला, विनीत मिश्रा, त्रिलोकी नाथ, प्रमोद मिश्रा, मुनेन्द्र सिंह, समीर शुक्ला, कुलदीप तिवारी, अभय पाण्डेय सहित सैकड़ो गणमान्य नागरिक व महिलाएं उपस्थित रही!

रात्रि की लीला में बाल कृष्ण की लीला का मंचन किया गया, जिसमें निकुंज में भगवान ने लीला की चंद्रबली के साथ छल किया गोपी बनकर भगवान उनके घर गए और माखन मांगने लगे, बड़ा सुंदर भाव रहा ब्रज का आनंद देखने को मिला।

उच्च शिक्षा मंत्री ने गन्ना विभाग की खाद गोदाम का शुभारम्भ किया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। केन ग्रोवर्स हरदोई की शाहाबाद

खाद गोदाम का सौंदर्यीकरण के बाद उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने शुभारंभ किया। तत्पश्चात उन्होंने केंद्र सरकार की किसानों के प्रति चलाई जा रही योजनाओं एवं जल कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राजकीय कृषि बीज भंडार के समक्ष सालों से जर्जर पड़े केन ग्रोवर्स हरदोई की खाद गोदाम का अध्यक्ष रंजीत सिंह द्वारा सौंदर्यीकरण कराया गया। शनिवार को उच्च शिक्षा मंत्री ने इस खाद गोदाम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी ने बताया केंद्र और प्रदेश सरकार किसानों की खुशहाली के लिए तमाम योजनाएं चला रहीं हैं। आज जिस खाद गोदाम का शुभारंभ किया गया है इस खाद गोदाम के शुरू होने के बाद किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद और कीटनाशक दवाएं यहां से कम दामों पर उपलब्ध होगी। जिससे किसानों को काफी सहूलियत मिलेगी। उच्च शिक्षा मंत्री ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए बताया सरकार जनहित के लिए लगातार काम कर रही है सरकार की समस्त योजनाएं जनहित की हैं। उन्होंने बताया सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी योजना फ्री राशन की है जिससे गरीबों को किसी के आगे हाथ फैलाना नहीं पड़ रहा है। उन्होंने बताया पिछली सरकारों में किसानों के लिए केवल नाम की योजनाएं चलाई जाती थी जिसका फायदा किसानों को न मिलकर अधिकारियों और कर्मचारियों तथा दबंग लोगों को मिल जाता था लेकिन भाजपा सरकार में सभी किसानों को सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इस मौके पर केन ग्रोवर्स हरदोई के अध्यक्ष रंजीत सिंह ने भी खाद गोदाम के शुभारंभ को किसानों के लिए एक बड़ी सहूलियत बताते हुए कहा इस खाद गोदाम से किसानों को अच्छी गुणवत्ता की खाद और कीटनाशक दवाएं उपलब्ध होगी और यहां पर किसानों को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष शरद सिंह, भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष अनिल पांडे पिंटू, क्षेत्र पंचायत प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र अंकित गुप्ता, आनंद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मानक के अनुरूप सड़क चौड़ी करने की मांग पर अड़े मोहल्लावासी

सण्डीला (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सड़क निर्माण की प्रस्तावित चौड़ाई को लेकर नगर पालिका संडीला के मलकाना वार्ड नंबर 24 वासियों ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने सड़क को मानक के अनुरूप चौड़ा बनाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि प्रस्तावित सड़क की चौड़ाई कम रखी जा रही है, जिससे भविष्य में आवागमन में दिक्कतें उत्पन्न होंगी। उन्होंने बताया कि यह सड़क मुहल्ले का प्रमुख मार्ग है और इसी रास्ते से पूरे मोहल्ले में आवाजाही होती है। ऐसे में यदि सड़क को पर्याप्त चौड़ाई में नहीं बनाया गया तो समस्या और बढ़ेगी। उन्होंने कहा यहां स्थानीय स्तर पर गाटा संख्या 463 की भूमि को मालिकों द्वारा बिक्री दौरान लगभग एक दशक पूर्व रजिस्ट्री में लिखा गया था कि मार्ग 20 फिट का बनेगा पर अब नगर पालिका संडीला द्वारा सभासद के माध्यम से महज 8 फिट सड़क का निर्माण कराया जा रहा है जिससे आवागमन में बड़ी समस्याएं होंगी। इस दौरान संजय कुमार शुक्ला, शिल्पी सिंह, सुशीला, ईश्वरी कुमारी, सरोजिनी, सूरज सिंह, आरती देवी, रामेश्वरी, गोपाल, सुमन नीरज सिंह, राखी, फूलमती आदि वार्डवासी मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारियों ने आंदोलन की रणनीति तय की, पालिका प्रशासन से आर पार की लड़ाई का ऐलान किया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नगर पालिका परिषद के आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने वेतन न मिलने से नाराज होकर शुक्रवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल कर दी थी। शनिवार को सुबह 10:00 बजे अंबेडकर पार्क में समस्त सफाई कर्मचारी और आउटसोर्सिंग कर्मचारी एकत्रित हुए और पालिका प्रशासन से आर पार की लड़ाई लड़ने का ऐलान किया। अधिशासी अधिकारी के के सोनकर द्वारा तीन फर्मो को ब्लैकलिस्टेड किए जाने के बाद समस्त सफाई कर्मचारियों और

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का वेतन रुक गया है। अधिशासी अधिकारी द्वारा वेतन देने की कोई समय सीमा न बताए जाने से नाराज होकर सफाई कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल कर दी। हड़ताल होने से नगर में गंदगी व्याप्त हो गई। सफाई कर्मचारी संघ के नेता संजय वाल्मीकि ने बताया जब तक अधिशासी अधिकारी घुटनों के बल बैठ नहीं जाएंगे तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। सोमवार को नगर के प्रमुख मार्गों पर प्रदर्शन किया जाएगा। उसके बाद नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी का घेराव होगा। उन्होंने बताया इस बार लड़ाई आर पार की होगी। साथ ही कर्मचारियों को चेतावनी दी गई की कोई भी सफाई कर्मचारी कार्य करता हुआ अगर देखा गया तो उसके खिलाफ भी दंडात्मक कार्रवाई होगी।

पुलवामा शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा एवं कैंडल मार्च आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। 14 फरवरी सन 2019 भारत के इतिहास का एक काला दिन है। इसी दिन जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए भीषण आतंकी हमले में हमारे वीर जवान शहीद हुए थे। उन अमर बलिदानियों की पावन स्मृति में आज शहीद उद्यान, हरदोई में एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा एवं कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वीरांगना सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान एवं हरदोई पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान शहीदों की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया तथा अमर जवान ज्योति पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। तत्पश्चात दो मिनट का मौन रखकर अमर शहीदों को नमन किया गया।

संस्थान की अध्यक्ष सुहाना जैन ने अपने संबोधन में कहा कि पुलवामा अटैक केवल एक आतंकी घटना नहीं, बल्कि राष्ट्र के साहस, एकता और सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 14 फरवरी को राष्ट्रप्रेम के रूप में स्मरण करना हम सभी का कर्तव्य है तथा युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार-आबकारी एवं मद्य निषेध) नितिन अग्रवाल भी उपस्थिति रहे। उन्होंने कहा कि पुलवामा के शहीदों का बलिदान राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने कहा कि पुलवामा के वीर शहीदों का बलिदान पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम में योग शिक्षिका विनीता पांडेय, भाजपा सैनिक प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक हवलदार पुष्पेंद्र सिंह, देवेंद्र विक्रम सिंह, सरोज सिंह, मशाल सिंह, राम सिंह, अखिलेश सिंह, निर्मल गुप्ता, अखिलेश गुप्ता एवं शौर्य सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभा उपरांत अमर बलिदानियों की स्मृति में कैंडल मार्च निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों, युवाओं एवं पूर्व सैनिकों ने सहभागिता की। वातावरण 'शहीद अमर रहें' एवं 'भारत माता की जय' के उद्घोष से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण वाहन चालक संघ का चुनाव-अतुल सिंह अध्यक्ष, मोहम्मद इमरान चुने गए उपाध्यक्ष

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के वाहन चालक संघ के चुनाव में ज़िला कार्यकारिणी का चुनाव हुआ, जिसमें अतुल सिंह को अध्यक्ष और मोहम्मद इमरान को निर्विरोध उपाध्यक्ष चुना गया।

शनिवार को सीएमओ आफिस में राजकीय चालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रिज़वान अहमद सिद्दीकी व प्रदेश महामंत्री जयप्रकाश त्रिपाठी की मौजूदगी में हुए कार्यकारिणी के चुनाव में अतुल कुमार सिंह को अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा मोहम्मद इमरान को उपाध्यक्ष, मनीष कुमार सिंह को ज़िला मंत्री, हितेश कुमार को संगठन मंत्री, राजपाल को कोषाध्यक्ष, रविन्द्र कुमार को प्रचार मंत्री और अमित कुमार दीक्षित को संयुक्त मंत्री के अलावा अवधेश कुमार सिंह, शाहिद (द्वितीय), शाहिद (प्रथम), आशीष मिश्रा, राम नारायण, राजेश गुप्ता व अब्दुल समद को कार्यकारिणी का सदस्य चुना गया है। निर्विरोध चुनाव के बाद कार्यकारिणी का ज़ोरदार स्वागत करते हुए शपथ दिलाई गई।

शिक्षकों का सामाजिक विषय पर आधारित प्रशिक्षण डायट हरदोई में हुआ सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में प्राचार्य रमेन्द्र कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में 19 जनवरी से प्रारंभ हुए परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालययों के शिक्षकों का सामाजिक विषय पर आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन 14 फरवरी को हो गया। विभिन्न चरणों में हुए बैचवार प्रशिक्षण के तहत नोडल डायट प्रवक्ता सौरभ मौर्या, डायट प्रवक्ता पीताम्बर चौरसिया के साथ सन्दर्भदाता अभिषेक मिश्र, अभय यादव, इरशाद सिद्दीकी, अशोक कुमार व दिव्या अवस्थी द्वारा विभिन्न सत्रों के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ एनसीएफ-एसई 2023 के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक विज्ञान शिक्षण, भारतीय ज्ञान परंपरा एवं सामाजिक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान शिक्षण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, नवाचारी गतिविधियां, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, नागरिक शास्त्र, व्यवसायिक कौशल के साथ सामाजिक विज्ञान में आकलन पर समझ विकसित की गई। नोडल डायट प्रवक्ता सौरभ कुमार ने बताया कि सामाजिक विषय एक ऐसा विषय है जो सीधे व्यक्ति के जीवन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने प्रशिक्षण में बतायी गई चीजों को धरातल पर बच्चों के बीच प्रयोग करने के लिए समझाया। प्रशिक्षण के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किये गए।

अमिरता महिला हत्याकांड: प्रेम प्रसंग का विरोध करने पर हुई थी श्रीदेवी की हत्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पुलिस गिरफ्त में हत्या आरोपी रामनिवास

■ पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्याकांड का किया खुलासा

शाहाबाद (हरदोई)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अमिरता में गुरुवार को खेत में काम रही महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने अनावरण कर दिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी ने प्रेम प्रसंग में बनाए गए संबंधों का खुलासा करने पर महिला की हत्या करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है 12 फरवरी पूर्वान्ह 11:00 बजे ग्राम अमिरता निवासी सुरेश चंद्र की 45 वर्षीय पत्नी श्रीदेवी अपने पुत्रों के साथ खेत पर प्याज़ की बेड़ गाड़ने गयी थी। जहां उसकी धारदार हथियार से हमला कर निर्मम हत्या कर दी गयी थी। घटना की सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, अपर पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना करने के बाद मृतका की बेटी और बच्चों से बात की। गांव के कुछ जिम्मेदार लोगों से भी अधिकारियों ने बातचीत की। मृतका के देवर पिंटू पुत्र भइयालाल ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इस हत्याकांड के खुलासे को लेकर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने कई टीमें बनाई और उन टीमों को अति शीघ्र घटना का अनावरण करने के निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने पत्रकारों को बताया शाहाबाद के प्रभारी जितेन्द्र प्रताप सिंह और पुलिस बल द्वारा श्रीदेवी हत्याकांड के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतका के ही गांव निवासी रामनिवास पुत्र सुखलाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर हत्या का खुलासा किया। रामनिवास के अनुसार गांव के एक व्यक्ति की साली से उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। उसने खेत पर महिला से संबंध बनाएं जिसे मृतका ने देख लिया था। मृतका द्वारा परिजनों को प्रेम प्रसंग की जानकारी की धमकी दी गई थी जिससे वह भयभीत था। इसी बात से क्षुब्ध होकर उसने फावड़े से हमला कर श्रीदेवी की हत्या कर दी और फरार हो गया था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर एक फावड़ा और उसका टूटा हुआ बेट बरामद कर लिया है। आरोपी को न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

राहुल गांधी पर भाजपा का नया वार

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से भाजपा का डर अब खुलकर सामने आने लगा है। बुधवार को राहुल गांधी ने संसद में जिस तरह अमेरिका से हुए व्यापार समझौते और एपस्टीन फाइल्स पर मोदी सरकार को घेरा, उसके बाद उनके भाषण के कई हिस्से सदन की कार्रवाई से निकाल दिए गए। इसके बाद भी राहुल गांधी का सामना भाजपा नहीं कर पा रही है तो अब उन्हें संसद से बाहर करने की कोशिश करने लगी है। हालांकि केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने बुधवार को संसद में और संसद के बाहर कहा था कि भाजपा राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाएगी। लेकिन गुरुवार को भाजपा ने सिर्फ लोकसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग की। समझा जाता है कि विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव रखे जाने पर भाजपा को अपने सहयोगी दलों से समर्थन की उम्मीद नहीं थी। दूसरा डर यह था कि इस पर संसद में बहस के दौरान फिर केंद्र बिंदु राहुल गांधी ही बनते। और मोदी सरकार नहीं चाहती कि राहुल गांधी पर बहस केंद्रित हो। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि मैंने एक ठोस प्रस्ताव पेश किया है जिसमें मैंने उल्लेख किया है कि वे कथित तौर पर सोरोस फाउंडेशन, फोर्ड फाउंडेशन, यूएसएआईडी से जुड़े हुए हैं और थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम और अमेरिका जैसे स्थानों की यात्रा करते हैं, और भारत विरोधी ताकतों से जुड़े हुए हैं। मैंने मांग की है कि उनकी सदस्यता रद्द की जाए और उन्हें जीवन भर के लिए चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जाए। अपने डर को छिपाने के लिए नरेन्द्र मोदी ने निशिकांत दुबे को आगे किया है, हालांकि इस नोटिस के बाद भाजपा को यह साबित भी करना होगा कि जिन फाउंडेशन्स या देशों का नाम लिया गया है, वे किस तरह देश विरोधी हैं और राहुल से उनके क्या संबंध हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि राहुल गांधी को चुनाव लड़ने से रोकने और संसद सदस्यता खत्म करने का यह नोटिस उस समय दिया गया जब मोदी सरकार को ही यह साबित करना है कि एपस्टीन फाइल्स मामले में वह बेदाग हैं। क्योंकि नरेन्द्र मोदी, उनके केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, श्री मोदी के करीबी कारोबारी अनिल अंबानी जैसे लोगों के नाम इस कुख्यात मामले में आए हैं। ऐसे में केवल मुंहजबानी सफाई पेश करने से कुछ नहीं होगा। बल्कि ठोस सबूतों के साथ साबित करना होगा कि मानव तस्करी, यौन शोषण और मानवता को तार-तार करने वाले न जाने कितने घिनौने अपराधों से जुड़े इस मामले में किसी तरह भी मोदी सरकार का कोई संबंध नहीं है। हम यह बात पहले भी लिख चुके हैं कि इस मामले में दुनिया भर में इस्तीफ़े हो रहे हैं। किसी पर अपराध साबित हुआ या न हुआ हो, केवल एपस्टीन फाइल्स में नाम आने पर ही लोगों को इस्तीफ़े के लिए मजबूर किया जा रहा है। यहां तक कि अमेरिका में भी इस पर ट्रंप के विरोधी नेता सवाल कर रहे हैं और उन्हें सवाल करने दिया जा रहा है। मगर भारत में भाजपा को बचाने के लिए एपस्टीन फाइल्स का नाम लेना ही गुनाह की तरह दिखाया जा रहा है। बुधवार को जब संसद के भीतर राहुल गांधी को इस मामले में बोलने से रोका गया तो उन्होंने बाहर आकर अपने आरोपों को दोहराया। जिसके बाद केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने प्रेस कांफ्रेंस कर अपना पक्ष रखा। हालांकि वे चाहते तो जब से उनका नाम इस मुद्दे पर आया, तभी खुलकर सारी बातें बता सकते थे। लेकिन दबाने-छिपाने की इस प्रवृत्ति से ही शक गहराता है। बहरहाल, हरदीप सिंह पुरी ने माना कि उनकी मुलाकात कुख्यात अपराधी जेफ्री एपस्टीन से तीन-चार बार हुई थी। यानी राहुल गांधी ने संसद के भीतर जो कुछ कहा, उसे खुद हरदीप पुरी ने सत्यापित कर दिया है। इसके बाद उन पर क्या आरोप लगते हैं और कितने साबित होते हैं, ये तो बाद की बात है, सबसे पहले उन्हें नैतिकता के आधार पर ही इस्तीफा दे देना चाहिए। लेकिन मोदी सरकार की डिक्शनरी में शायद नैतिकता शब्द है ही नहीं, इसलिए उसके आधार पर इस्तीफ़े भी नहीं होते। पत्रकारों को अपनी बात बताते हुए हरदीप पुरी ने कुछ बड़ी गलतियां कर दीं।

केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने बुधवार को संसद में और संसद के बाहर कहा था कि भाजपा राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाएगी। लेकिन गुरुवार को भाजपा ने सिर्फ लोकसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग की। समझा जाता है कि विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव रखे जाने पर भाजपा को अपने सहयोगी दलों से समर्थन की उम्मीद नहीं थी। दूसरा डर यह था कि इस पर संसद में बहस के दौरान फिर केंद्र बिंदु राहुल गांधी ही बनते। और मोदी सरकार नहीं चाहती कि राहुल गांधी पर बहस केंद्रित हो। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि मैंने एक ठोस प्रस्ताव पेश किया है जिसमें मैंने उल्लेख किया है कि वे कथित तौर पर सोरोस फाउंडेशन, फोर्ड फाउंडेशन, यूएसएआईडी से जुड़े हुए हैं और थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम और अमेरिका जैसे स्थानों की यात्रा करते हैं, और भारत विरोधी ताकतों से जुड़े हुए हैं।

मोबाइल फोबिया: मानसिक बीमारियों का बढ़ता खतरा

डॉ. रमेश ठाकुर

मोबाइल फोन ने इंसानों को वास्तविक जीवन से काट कर आभासी दुनिया की तरफ धकेल दिया है। नई रिसर्च ने चेतावनी दी है कि अगर शरीर को सुरक्षित रखना है तो मोबाइल की लत से तौबा करना होगा। मोबाइल के नकारात्मक पहलुओं में विस्तार हुआ है। आसान भाषा में कहें तो जितना स्क्रीन टाइम, उतना बड़ा नुकसान। क्या बच्चे, क्या बुजुर्ग और क्या औरत व मर्द, सभी मोबाइल के चुंगल में जकड़ चुके हैं। जिसका नतीजा है कि अब ऐसे दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की होगी। लंबे समय तक स्क्रीन से चिपके रहने से आंखों की रोशनी का कम होना, शारीरिक गतिविधियों का बिगड़ना जैसी बातें तो सुनी थी लेकिन चिकित्सा तंत्र की नई रिसर्च रिपोर्ट के खुलासे ने रोंगटे खड़े कर दिए हैं। रिसर्च बताती है कि मोबाइल या स्क्रीन के अत्यधिक प्रयोग ने कई नई किस्म की बीमारियों का खतरा बढ़ा दिया है जिससे दृष्टि हानि, मांसपेशियों और हड्डियों से संबंधित विकार, नए किस्म के कैंसर और मोटापा जैसी दीर्घकालिक समस्याओं का पता चला है।खतरनाक बात यह है कि जिन 10 देशों में यह समस्या ज्यादा गंभीर है, उनमें भारत भी है। रिपोर्ट ने स्मार्टफोन को सिरहाने रखकर सोने को सबसे अधिक खतरनाक बताया है। जिन्हें अक्सर ऐसा महसूस होता है कि जेब में रखा फोन वाइब्रेट कर रहा है या बज रहा है। पर, चेक करने पर न कोई कॉल और न कोई मैसेज होता है। अगर ऐसा किसी भी मोबाइल धारक को एहसास होता है तो सतर्क होने की जरूरत है क्योंकि यह एक नई मानसिक बीमारी की दस्तक है। इसे 'फोन फोबिया' या 'फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम' कहते हैं। भारत में इस बीमारी की गिरफ्त में आए लोगों की एक बड़ी संख्या है, जिनमें 14 से 17 वर्ष के बीच के नाबालिग ज्यादा हैं। स्कूल-कॉलेज के बच्चे और युवा पीढ़ी इस समस्या में सर्वाधिक फंसा है। रिपोर्ट की मानें तो ये खतरनाक मानसिक संकट भविष्य के लिए चुनौती से कम नहीं। सेलफोन विकिरण से अब लोगों की ग्रैनुलोसा कोशिकाएं सूखने लगी हैं। गर्भवती महिलाओं में भ्रूण के आसपास पानी की मात्रा में कमी और एएलटी-एएसटी का स्तर बढ़ना भी रिपोर्ट में बताया गया है। डब्ल्यूएचओ की मानें तो पिछले 4 वर्षों में विभिन्न प्रकार के कैंसर इंसानों में पाए जाने लगे हैं, क्या उनका संबंध मोबाइल से है? इसकी पड़ताल के लिए दुनिया भर में बड़े स्तर पर अध्ययन किए जा रहे हैं। मोबाइल फोन से निकलने वाली रेडियो फ्रिक्वेंसी तरंगें ब्रेन ट्यूमर और कैंसर का कारण भी बनने लगी हैं। सालाना मोबाइल फोबिया के 6 लाख से ज्यादा शिकार देशभर के अस्पतालों में भर्ती होते हैं। विश्व का आंकड़ा करोड़ों में है। बढ़ती समस्या के बाद नौबत ऐसी आ चुकी है कि विभिन्न प्रदेशों के मुखिया अपने प्रदेशवासियों से कम मोबाइल इस्तेमाल और सर्तकता बरतने का आह्वान करने लगे हैं। बीते दिनों उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को युवाओं के नाम एक सार्वजनिक खत लिखना पड़ा। जागरूकता फैलाने के लिए बकायदा अखबारों में इश्तहार भी सरकार को देने पड़े। जन स्वास्थ्य की परवाह के लिए केंद्र से लेकर प्रत्येक राज्य सरकारों को ऐसा कदम उठाना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि तकनीक का प्रयोग युवा पीढ़ी शिक्षा और व्यक्ति विकास के लिए करें, न कि आदत और लत के लिए। गाजियाबाद जिला अस्पताल की ओर से एक सर्वे बीते माह जनवरी में करवाया गया था जिसमें 70-75 फीसदी युवाओं ने माना कि वो प्रत्येक 4 या 5 मिनट में अपना मोबाइल देखते हैं, जिसमें 40 फीसदी ने यह भी स्वीकारा कि ज्यादा देर तक मोबाइल नहीं देखने पर उन्हें बेचैनी, अनिद्रा और चिड़चिड़ापन का एहसास होने लगता है। मनोवैज्ञानिकों और काउंसलरों की सलाह है अगर मोबाइल फोबिया से खुद को बचाना है तो मोबाइल के प्रयोग का वक्त तय करें, सोने से पहले फोन का इस्तेमाल कतई न करें और गैरजरूरी नोटिफिकेशन को नजरअंदाज करते रहें। इसके अलावा ट्रैकर का उपयोग करना चाहिए। अलार्म के लिए फोन की जगह घड़ी का उपयोग किया जाए। एक्टिविटी जरूर बढ़ाएं, खाली समय में किताबें पढ़ें, व्यायाम करें या मित्रों-परिजनों से बात करें। लत अगर बहुत अधिक है तो बिना देर किए किसी एक्सपर्ट से सलाह लेने में बिल्कुल भी न हिचकिचाएं। विशेषज्ञों की मानें तो वयस्कों के लिए 2-3 घंटे और बच्चों-किशोरों के लिए 2 घंटे तक ही एक दिन में मोबाइल चलाना चाहिए। निश्चित रूप से तकनीक इंसानों पर पूरी तरह से हावी हो चुकी है। सभी जानते हैं तकनीकों का इस्तेमाल जितना फायदे के लिए होता हैं, उससे कहीं अधिक उसका दुरूपयोग होता है। लेकिन फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम' महज बीमारी नहीं बल्कि एक चेतावनी भी है। यह वर्चुअल दुनिया से बाहर निकल कर हकीकत में जीने की जरूरत को दर्शाता है। पर, तकनीकी दुनिया में अब ऐसा संभव नहीं। मोबाइल पर अगर जरा भी प्रतिबंध की बात उठेगी तो उसके विरोध में लोग खड़े हो जाएंगे। समस्या ऐसी है जिससे खुद को निपटना होगा। तय हमें करना है कि हम मोबाइल को चलाएंगे या मोबाइल हमें चलाएगा।

रिपोर्ट ने स्मार्टफोन को सिरहाने रखकर सोने को सबसे अधिक खतरनाक बताया है। जिन्हें अक्सर ऐसा महसूस होता है कि जेब में रखा फोन वाइब्रेट कर रहा है या बज रहा है। पर, चेक करने पर न कोई कॉल और न कोई मैसेज होता है। अगर ऐसा किसी भी मोबाइल धारक को एहसास होता है तो सतर्क होने की जरूरत है क्योंकि यह एक नई मानसिक बीमारी की दस्तक है। इसे 'फोन फोबिया' या 'फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम' कहते हैं। भारत में इस बीमारी की गिरफ्त में आए लोगों की एक बड़ी संख्या है, जिनमें 14 से 17 वर्ष के बीच के नाबालिग ज्यादा हैं। स्कूल-कॉलेज के बच्चे और युवा पीढ़ी इस समस्या में सर्वाधिक फंसा है। रिपोर्ट की मानें तो ये खतरनाक मानसिक संकट भविष्य के लिए चुनौती से कम नहीं। सेलफोन विकिरण से अब लोगों की ग्रैनुलोसा कोशिकाएं सूखने लगी हैं। गर्भवती महिलाओं में भ्रूण के आसपास पानी की मात्रा में कमी और एएलटी-एएसटी का स्तर बढ़ना भी रिपोर्ट में बताया गया है। डब्ल्यूएचओ की मानें तो पिछले 4 वर्षों में विभिन्न प्रकार के कैंसर इंसानों में पाए जाने लगे हैं, क्या उनका संबंध मोबाइल से है? इसकी पड़ताल के लिए दुनिया भर में बड़े स्तर पर अध्ययन किए जा रहे हैं। मोबाइल फोन से निकलने वाली रेडियो फ्रिक्वेंसी तरंगें ब्रेन ट्यूमर और कैंसर का कारण भी बनने लगी हैं। सालाना मोबाइल फोबिया के 6 लाख से ज्यादा शिकार देशभर के अस्पतालों में भर्ती होते हैं। विश्व का आंकड़ा करोड़ों में है।

बांग्लादेश में नई सरकार, भारत को क्या दरकार

डॉ. प्रभात ओझा

बांग्लादेश में चुनाव नतीजों से साफ हो गया कि वहां बीएनपी की सरकार होगी और तारिक रहमान देश के नये प्रधानमंत्री होंगे। किसी भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में यह सहज ही है कि आंतरिक और बाह्य राजनीतिक ताकतें चुनाव परिणाम को सकारात्मक ढंग से लें। बांग्लादेश के लिए भी यह परंपरा मान्य होनी चाहिए, हालांकि इसको लेकर कुछ संशय चुनाव के साथ ही शुरू हो चुके हैं। इसे समझने के लिए दो बिंदुओं पर विचार करना होगा। पहला यह कि चुनाव प्रक्रिया पर देश के अंदर से ही सवाल उठाये गये हैं। दूसरा बिंदु पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का भारत में आश्रय लेना है। यह स्थिति सामान्य नहीं कही जा सकती कि पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी बांग्लादेश में बैन कर दी गई। फिर जिन्होंने चुनाव में हिस्सा लिया, वे ही निर्वाचन प्रक्रिया से ही संतुष्ट नहीं हैं। भारत के लिए तो यह निर्वाचन इसलिए मायने रखता है कि प्रधानमंत्री के रूप में जो नेता उसके अनुकूल रहीं, उन्हें बांग्लादेश से निर्वासित होकर आना पड़ा। बात इतनी ही होती तो चिंता न होती। उन्हें शरण देने के पहले से ही बांग्लादेश में भारत विरोधी माहौल रहा है। फिलहाल तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की जीत पर पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान को बधाई दी। उन्होंने इसे रहमान के नेतृत्व पर बांग्लादेश की जनता का भरोसा बताया। मोदी ने खुद भरोसा दिया कि भारत एक लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के समर्थन में खड़ा रहेगा। उन्होंने दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने और साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए तारिक रहमान के साथ काम करने के लिए उत्सुकता जताई। स्वाभाविक कि एक बड़े लोकतांत्रिक देश और पड़ोसी होने के नाते भारत यह रुख अपनाये। इसके विपरीत हाल के घटनाक्रम आगे की राह आसान नहीं होने के ही संकेत देते हैं। भारत के राजनयिक पड़ोस में हो रहे चुनाव के दौरान जमात-ए-इस्लामी के प्रदर्शन पर नजर रखे हुए थे। भारत का मानना रहा है कि बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रभाव में रहती है। जमात इस चुनाव में अपने को सत्ता हासिल करने के करीब मानकर चल रहा था। उसने 11 दलों के साथ गठबंधन बनाया था। स्वाभाविक है कि ये छोटे दल हैं और पूरी तरह से जमात की ही पकड़ में रहे हैं। जमात ने चुनाव प्रचार के दौरान अपने भारत विरोधी रुख को छिपाया भी नहीं। अब हार के बाद उसकी हताशा चुनाव प्रक्रिया पर सवाल के रूप में सामने आई है। यहीं नहीं, साल 2024 में शेख हसीना को सत्ता से हटाने के लिए आंदोलन करने वाली नेशनल सिटीजन्स पार्टी ने भी चुनाव नतीजों में हेरफ़ेर के आरोप लगाये हैं। सच है कि बांग्लादेश में अति कट्टरपंथियों की हार खुद अपने लोगों और भारत के अनुकूल है। जिस तरह के हालात से बांग्लादेश गुजरा है, नई सरकार को स्थिति सामान्य करने में समय लगेगा। शेख हसीना के देश से बाहर आ जाने के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बना माहौल भारत के खिलाफ ही रहा। हालात यह हो चले थे कि हिन्दू नागरिकों की लींचिंग के दौरान हत्या तक हुई। यह वही क्षेत्र है, पूर्वी पाकिस्तान के रूप में जहां लोकतांत्रिक आंदोलन को भारत ने न सिर्फ समर्थन दिया बल्कि बांग्लादेश के उदय में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। बांग्लादेश के नायक शेख मुजीब की हत्या के बाद से भारत को अपने इस पड़ोसी के साथ रिश्तों को लेकर सजग रहना पड़ा है। सुरक्षा सहयोग, विदेश नीति और आर्थिक साझेदारी के बूते भारत ने इसे सम्भाले रखा। यह भी देखना होगा कि जिस पाकिस्तान से निकल कर बांग्लादेश अस्तित्व में आया, शेख हसीना के दौर में वहां पाकिस्तान की दाल नहीं गली। पाकिस्तान अब बांग्लादेश में भारत विरोधी रुख बने रहने की उम्मीद ही नहीं, कोशिश भी करेगा। शेख हसीना के हटने के बाद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में उसे अपने मकसद में कामयाबी मिलती दिखी। यूनुस पाकिस्तान के साथ रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में तेजी से चल रहे थे। देखना होगा कि अब जबकि बीएनपी सत्ता में होगी, चीन के साथ ही पाकिस्तान के साथ वह अपने रिश्ते कैसा रखती है। भारत ने तो शेख हसीना को शरण देने के साथ बीएनपी से भी रिश्ते सुधारने की कोशिश की है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बीमार होने पर चिंता जताना और उनके निधन के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर का उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने को खास माना जा सकता है। खुद खालिदा जिया के शासनकाल में भारत का उनके देश के साथ रिश्ते को बहुत अच्छा नहीं, तो खराब भी नहीं कह सकते। तारिक रहमान उन्हीं के बेटे हैं, युवा हैं, अभी पिछले साल के अंत में ही लंबे समय बाद स्वतः निर्वासन की स्थिति से लौटे हैं। उम्मीद की जाती है कि वे भारत से अपने देश के रिश्तों को बदलती दुनिया के हिसाब से देखेंगे। हमेशा की तरह भारत तो बेहतर रिश्ते ही चाहेगा।

बांग्लादेश के लिए भी यह परंपरा मान्य होनी चाहिए, हालांकि इसको लेकर कुछ संशय चुनाव के साथ ही शुरू हो चुके हैं। इसे समझने के लिए दो बिंदुओं पर विचार करना होगा। पहला यह कि चुनाव प्रक्रिया पर देश के अंदर से ही सवाल उठाये गये हैं। दूसरा बिंदु पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का भारत में आश्रय लेना है। यह स्थिति सामान्य नहीं कही जा सकती कि पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी बांग्लादेश में बैन कर दी गई। फिर जिन्होंने चुनाव में हिस्सा लिया, वे ही निर्वाचन प्रक्रिया से ही संतुष्ट नहीं हैं। भारत के लिए तो यह निर्वाचन इसलिए मायने रखता है कि प्रधानमंत्री के रूप में जो नेता उसके अनुकूल रहीं, उन्हें बांग्लादेश से निर्वासित होकर आना पड़ा। बात इतनी ही होती तो चिंता न होती। उन्हें शरण देने के पहले से ही बांग्लादेश में भारत विरोधी माहौल रहा है। फिलहाल तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की जीत पर पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान को बधाई दी। उन्होंने इसे रहमान के नेतृत्व पर बांग्लादेश की जनता का भरोसा बताया।

तनाव, आतंक और अंधकार के बीच शिव का प्रकाश

ललित गर्ग

15 फरवरी 2026 को जब समूचा भारत महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाएगा, तब यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं होगा, बल्कि आत्मजागरण का विराट अवसर होगा। महाशिवरात्रि वह रात्रि है जब साधक अपने भीतर के अंधकार को पहचानकर शिवत्व के प्रकाश से उसे आलोकित करने का संकल्प लेता है। शिव केवल देवता नहीं, वे चेतना के शाश्वत आयाम हैं-महाकाल, जो समय से परे हैं, नटराज, जो सृष्टि की लय और ताल के अधिपति हैं और नीलकंठ, जो विष को पीकर भी अमृत का संदेश देते हैं। आज का युग विज्ञान, तकनीक और उपभोग का युग है। मानव ने अंतरिक्ष को नापा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित की, लेकिन अपने भीतर की शांति खो बैठा। तनाव, अवसाद, असंतोष, युद्ध, आतंकवाद और नैतिक विघटन की घटनाएँ विश्व को विचलित कर रही हैं। ऐसे दौर में शिव की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। शिव भक्ति कोई चमत्कारिक जादू नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित करने का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक मार्ग है।

शिव का स्वरूप द्वंद्वों से परे है। वे संहारक भी हैं और सृजनकर्ता भी। यह संदेश आज के समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जो जड़, जर्जर और अनैतिक है, उसका विनाश आवश्यक है ताकि नवजीवन अंकुरित हो सके। जब हम अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और मोह का संहार करते हैं, तभी सच्चा निर्माण संभव होता है। यही शिव का वास्तविक चमत्कार है भीतर के विष का रूपांतरण। समुद्र-मंथन की कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि मानवीय जीवन का प्रतीक है। जब संसार अमृत की खोज में लगा, तब सबसे पहले विष निकला। आज भी जब मानव प्रगति की दौड़ में है, तो साथ में प्रदूषण, हिंसा और असंतुलन का विष भी उत्पन्न हो रहा है। उस विष को कौन पियेगा? शिव का नीलकंठ रूप हमें सिखाता है कि समाज के संकट को दूर करने के लिए त्याग और सहनशीलता आवश्यक है। जब हम अपने स्तर पर कटुता को निगल लेते हैं और उसे बाहर नहीं फैलाते, तभी समाज में शांति बनी रहती है। इसी प्रकार गंगा के अवतरण की कथा बताती है कि अनियंत्रित शक्ति विनाशकारी हो सकती है। शिव ने उसे अपनी जटाओं में धारण कर संतुलित प्रवाह दिया। आज के संदर्भ में यह संदेश अत्यंत प्रासंगिक है। तकनीक, धन, सत्ता-ये सभी शक्तियाँ हैं। यदि वे अनियंत्रित हों तो विध्वंसक बनती हैं, और यदि शिव-संयम में हों तो कल्याणकारी। अतः शिव भक्ति का अर्थ है-शक्ति का संतुलन। आधुनिक मनुष्य की सबसे बड़ी समस्या है-तनाव। प्रतिस्पर्धा, अपेक्षाएं और असुरक्षा ने उसे अशांत बना दिया है। शिवरात्रि की रात्रि जागरण की रात्रि है, लेकिन यह बाह्य जागरण से अधिक आंतरिक जागरण है। जब साधक ॐ नमः शिवाय का जप करता है, तो वह अपने भीतर के कंपन को संतुलित करता है। यह पंचाक्षरी मंत्र मन, प्राण और चेतना को एकाग्र करता है। वैज्ञानिक शोध भी बताते हैं कि नियमित ध्यान और मंत्रजाप से तनाव कम होता है, रक्तचाप संतुलित होता है और मानसिक स्थिरता बढ़ती है। यह शिव साधना का प्रत्यक्ष प्रभाव है। शिव पुराण में वर्णित है कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की निशीथ बेला में ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव हुआ। यह ज्योति केवल पत्थर की आकृति नहीं, बल्कि अनंत प्रकाश का प्रतीक है। शिवलिंग का अर्थ है-चिह्न, जो निराकार ब्रह्म का संकेत देता है। आधुनिक मनुष्य के लिए यह बोध आवश्यक है कि ईश्वर किसी सीमित रूप में बंधा नहीं है। वह ऊर्जा है, चेतना है, जो प्रत्येक कण में विद्यमान है। आज विश्व युद्ध और आतंकवाद की विभीषिका से जूझ रहा है। हिंसा की ज्वाला में मानवता झुलस रही है। शिव का तांडव केवल विनाश नहीं, बल्कि संतुलन का नृत्य है। जब अन्याय बढ़ता है, तब परिवर्तन अनिवार्य होता है। किंतु शिव का संदेश यह भी है कि क्रोध नहीं, करुणा से परिवर्तन संभव है। वे रुद्र हैं-दुःखों का हरण करने वाले। शिव भक्ति का चमत्कार यह है कि वह मनुष्य के भीतर करुणा, सहिष्णुता और क्षमा का विकास करती है। जब व्यक्ति बदलता है, तब समाज बदलता है और जब समाज बदलता है, तब विश्व में शांति का मार्ग प्रशस्त होता है। शिव और शक्ति का मिलन भी आधुनिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण प्रतीक है। यह पुरुष और प्रकृति, चेतना और ऊर्जा, विचार और क्रिया का समन्वय है। आज परिवारों में विघटन, संबंधों में दूरी और जीवन में असंतुलन इसलिए है क्योंकि यह समरसता टूट रही है। शिवरात्रि हमें स्मरण कराती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है। व्रत और उपवास का आध्यात्मिक महत्व भी आज समझने योग्य है। उपवास केवल भोजन त्याग नहीं, बल्कि इंद्रियों का संयम है। यह आत्मशुद्धि की प्रक्रिया है। जब व्यक्ति एक दिन के लिए भी भोगों से दूर रहता है, तो उसे अपनी आवश्यकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर मिलता है। उपभोक्तावादी संस्कृति में यह अत्यंत आवश्यक साधना है। शिव भक्ति का सिद्ध प्रभाव उन असंख्य भक्तों के अनुभवों में दिखाई देता है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी आस्था नहीं छोड़ी। सच्चे मन से की गई प्रार्थना व्यक्ति को आंतरिक शक्ति देती है। यह शक्ति उसे संकटों से जूझने का साहस देती है। चमत्कार बाहर नहीं, भीतर घटित होता है-जब निराशा आशा में बदलती है, भय विश्वास में और अशांति शांति में। आज आवश्यकता है कि शिव को केवल मंदिरों तक सीमित न रखा जाए। वे काठ, पत्थर या मूर्ति में नहीं, बल्कि भाव में निवास करते हैं। जब हम सत्य बोलते हैं, करुणा का व्यवहार करते हैं, प्रकृति की रक्षा करते हैं, तब हम शिव की आराधना करते हैं। पर्यावरण संरक्षण भी शिव भक्ति है, क्योंकि वे कैलाशवासी योगी हैं, प्रकृति के संरक्षक हैं। जल, वायु, अग्नि और पृथ्वी के संतुलन की रक्षा करना ही शिव के प्रति सच्ची श्रद्धा है। महाशिवरात्रि 2026 हमें यह संकल्प लेने का अवसर देती है कि हम अपने भीतर के विष को पहचानें और उसे शिवचेतना में रूपांतरित करें। हम अपने जीवन में संयम, संतुलन और साधना को स्थान दें। हम क्रोध के स्थान पर क्षमा, अहंकार के स्थान पर विनम्रता और अशांति के स्थान पर ध्यान को अपनाएं। शिवत्व की प्राप्ति कोई दूर की वस्तु नहीं। यह हमारे भीतर ही सुप्त है। आवश्यकता केवल जागरण की है। जब मनुष्य स्वयं को जीत लेता है, तभी वह सच्चे अर्थों में विजयी होता है। यही आत्मयुद्ध है, यही शिव की साधना है। इस महाशिवरात्रि पर हम सब मिलकर यह प्रार्थना करें-

हे नीलकंठ! हमारे भीतर के विष को शांत करो।
हे महाकाल! हमें समय का सदुपयोग सिखाओ।
हे शंकर! हमारे जीवन में कल्याण का संचार करो।

जब यह प्रार्थना सच्चे मन से होगी, तब निश्चित ही उसका प्रतिफल मिलेगा। क्योंकि शिव भाव के भूखे हैं। जहाँ निष्कपट श्रद्धा है, वहाँ शिव की कृपा अवश्य बरसती है। आधुनिक युग की जटिलताओं के बीच शिव भक्ति ही वह सेतु है, जो मनुष्य को स्वयं से, समाज को शांति से और विश्व को अमन से जोड़ सकती है। यही महाशिवरात्रि का सच्चा संदेश है-अंधकार से प्रकाश की ओर, अशांति से शांति की ओर, मृत्यु से अमृतत्व की ओर।

शिव का स्वरूप द्वंद्वों से परे है। वे संहारक भी हैं और सृजनकर्ता भी। यह संदेश आज के समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जो जड़, जर्जर और अनैतिक है, उसका विनाश आवश्यक है ताकि नवजीवन अंकुरित हो सके। जब हम अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और मोह का संहार करते हैं, तभी सच्चा निर्माण संभव होता है। यही शिव का वास्तविक चमत्कार है भीतर के विष का रूपांतरण। समुद्र-मंथन की कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि मानवीय जीवन का प्रतीक है। जब संसार अमृत की खोज में लगा, तब सबसे पहले विष निकला। आज भी जब मानव प्रगति की दौड़ में है, तो साथ में प्रदूषण, हिंसा और असंतुलन का विष भी उत्पन्न हो रहा है। उस विष को कौन पियेगा? शिव का नीलकंठ रूप हमें सिखाता है कि समाज के संकट को दूर करने के लिए त्याग और सहनशीलता आवश्यक है।

नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्रा ने छात्राओं का बढ़ाया हौसला, अध्ययन सामग्री किट वितरित

- डिवाइन मिशन स्कूल के वार्षिकोत्सव में सहभागिता, बोर्ड परीक्षार्थी छात्राओं को दी शैक्षणिक सहायता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्वेता मिश्रा ने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सक्रिय भागीदारी को आगे बढ़ाते हुए डिवाइन मिशन स्कूल के वार्षिकोत्सव समारोह में सहभागिता की और छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय परिवार को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इसी क्रम में सिविल लाइन स्थित श्याम कुमारी सेठ बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित विशेष कार्यक्रम में उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में सम्मिलित होने जा रही छात्राओं को सहायक अध्ययन सामग्री की किट भेंट की। यह पहल छात्राओं को आगामी परीक्षाओं के लिए बेहतर तैयारी हेतु आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने और उनके आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से की गई।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि परीक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसे निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सफलतापूर्वक पार किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं को नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और लक्ष्य के प्रति समर्पण बनाए रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने दोहराया कि नगर पालिका परिषद शिक्षा एवं छात्र हित से जुड़े प्रत्येक प्रयास में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यालय की छात्राएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने परिवार, विद्यालय और नगर का नाम गौरवान्वित करेंगी।

कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाओं एवं समस्त स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत में उन्होंने सभी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके सफल परीक्षा परिणाम हेतु शुभेच्छाएं व्यक्त कीं।

आज से शुरू होगा राम कथा और महा यज्ञ का आयोजन निकलेगी शिवबरात

बांदा। लगातार कयी वर्षों से चल रही परम्परा के तहत इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के दिन से राम कथा का आयोजन शुरू किया जाएगा जिसमे पहले दिन शंकर जी की बरात और तिलक चढ़ाने का कार्य किया जाएगा और साथ में कलश यात्रा का भी आयोजन रहेगा म गिरवा थाणे के बड़ोखर बुजुर्ग गाँव में कयी वर्षों से सही रात्री के दिन से राम कथा का योजन शुरू कर दिया जाता है जो की आज पहले शिव बरात निकाली जायेगी और मुरली मनोहर मंदिर में माता पारवती जी की तरफ से तिलक चढ़ाने का कार्य किया जाएगा और साथ ही राम कथा का कलश यात्रा का भी आयोजन रहेगा और रात्री में ही माता पार्वती और भगवान शंकर का विवाह का आयोजन किया जाएगा और साथ में कन्यादान का भी आयोजन किया जाएगा म वही कार्यक्रम के आयोजन संकट मोचन मंदिर के पुजारी तुलसीदास जी महाराज ने यह बताया की ये राम कथा लगातार 8 दिन चलेगी और साथ ही महा यज्ञ भी चलेगा जिसमे कयी सौ कुंतल का हवं होता है और साथ ही अंतिम दिवस में कयी गाँवों का भंडारा भी किया जाएगा।

पुलवामा शहीद अजीत कुमार आजाद को श्रद्धांजलि

विमल द्विवेदी ने स्मारक पर किया नमन

- शहीदों की याद में स्मारक निर्माण और भूमिहीन परिवारों को पट्टा देने की उठाई मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा हमला में शहीद हुए उन्नाव के लाल शहीद अजीत कुमार आजाद की स्मृति में शनिवार को श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। शहीद के स्मारक स्थल पर पहुंचकर नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक एवं हिन्दूवादी भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

विमल द्विवेदी ने कहा कि उन्नाव के वीर सपूत अजीत कुमार आजाद सहित हमले में शहीद हुए 40 जवान 140 करोड़ भारतवासियों के परिवार के सदस्य थे। उनके परिवारों की चिंता करना और उनके सुख-दुख में सहभागी बनना प्रत्येक भारतवासी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि सरकार और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि शहीद परिवारों से किए गए सभी वादों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए।

उन्होंने मांग उठाई कि अजीत कुमार आजाद सहित उन्नाव के शहीदों की स्मृति में भव्य स्मारक व प्रवेश द्वार का निर्माण कराया जाए। साथ ही भूमिहीन परिवारों को जमीन के पट्टों का आवंटन भी सुनिश्चित किया जाए।

कार्यक्रम के दौरान जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, धर्मेन्द्र शुक्ल, राकेश राजपूत सहित सैकड़ों राष्ट्रभक्तों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

विद्यालय के अभूतपूर्व परिवर्तन को देख शिक्षक विधायक ने की सराहना

- विधायक निधि से मिले सहयोग से बदली तस्वीर, स्टाफ ने जताया आभार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पुरवा। शनिवार को शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल कस्बा पुरवा स्थित सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूल हाजिर रमजान खां पहुंचे। विद्यालय आगमन पर समस्त स्टाफ ने उनका स्वागत किया।विद्यालय और विद्यालय परिवार से उनका लगाव काफी पुराना बताया जाता है। जानकारी के अनुसार लंबे समय तक विद्यालय की स्थिति जीर्ण-शीर्ण रही। चार बार विधायक निधि से सहयोग प्रदान कर विद्यालय की भौतिक स्थिति में परिवर्तन लाने में सहायता की गई। विद्यालय के शिक्षक अशोक पाल (उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ, लखनऊ) प्रदेश महामंत्री ने बताया कि विद्यालय की बदहाल स्थिति में सुधार के लिए जब-जब अनुरोध किया गया, तब-तब विधायक ने बिना किसी हीला-हवाली के विधायक निधि से सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि आज उसी का परिणाम है कि विद्यालय की तस्वीर बदल गई है और परिसर व्यवस्थित व आकर्षक दिखाई दे रहा है। विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं समस्त स्टाफ उनके आभारी रहेंगे। प्रधानाचार्य दिलीप शर्मा ने सहयोग और विद्यालय आगमन के लिए शिक्षक विधायक का आभार जताया। इस अवसर पर पुरवा नगर अध्यक्ष रेनू गुप्ता ने भी स्वागत किया। कार्यक्रम में पुरवा इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य जगत नारायण बाजपेई, सुरेन्द्र सिंह सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

प्रेमी के साथ देखने पर घर वालों ने किशोरी डांटा,लगाई कुएं में छलांग हुई मौत

बांदा। रात में एक बाइक में दो लोग जब अपनी प्रेमी से मिलने आए तो प्रेमी और प्रेमिका को घर वालों ने देख लिया जिससे घर में डांट पड़ने से किशोरी ने घर से 50 मीटर दूरी कुएं पर छलांग लगाकर जान दे दी जिससे घर वालों का रोरोकर बुरा हाल हो गया। मामला गिरवा थाने के खुराहंड चौकी के एक गांव का है जहां पर शुक्रवार की रात्रि लगभग 8 बजे एक बाइक पर उसी गांव के रहने वाले युवक अपनी प्रेमिका से मिलने आया था जहां पर प्रेमिका की बड़ी बहन ने दोनों को मिलते हुए देखा तो लड़की को फटकार लगाई और तुरंत घर जाकर बताया तो पिता ने लड़की को डांटते हुए मोबाइल को छीन लिया और इसके 20 मिनट बाद मालूम चला कि लड़की ने घर से 50 मीटर की दूरी स्थित कुएं में जाकर कूद गई और जैसे ही घर वालों को मालूम चला तो घर वालों ने इसकी सूचना तुरंत चौकी में दी वहीं चौकी और थाने की पुलिस ने फायर ब्रिगेड की मदद से 2 घंटे बाद प्रेमिका को मृतक अवस्था में कुएं बाहर निकाला।

बिना हेलमेट के बाइक चला रहे ट्राफिक पुलिस को नही है किसी का भय

- बाइक की नंबर प्लेट भी बिना हाई सिक्योर्टी नंबर के

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जब सरकार का सख्त निर्देश है की किसी भी वाहन का नंबर प्लेट में एचएसआरपी जो की एक हाई-सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट है जो सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा निर्धारित विशिष्टताओं का पालन करता है म एचएसआरपी प्लेट में एक यूनीक रजिस्ट्रेशन नंबर होता है और इसे छेड़छाड़, चोरी-प्रतिरोधी और टिकाऊ होने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिस पर 2019 के पहले के किसी भी वाहन में ये नंबर प्लेट होना अनिवार्य है क्योंकि अब जो भी वाहन रजिस्ट्रेशन होते हैं उन सभी ये नंबर प्लेट लगी होती हैं लेकिन अब इन साहब को कीसी का भय नही है क्योंकि ये खुद यातायात के नियमों को बताने में अपनी दक्षता दिखाते हैं ।मामला ये बांदा मुख्यालय का है जहाँ पर शुक्रवार की दोपहर को दो ट्राफिक पुलिस वाले अपनी काली पल्सर में सवार होकर बिना हेलमेट के कही जा रहे थे लेकिन साहब को ये नही पता की ये नियम आम जनमानस के लिए है और साथ में अधिकारी और कर्मचारियों के लिए भी है क्योंकि दुर्घटना व्यक्ति को पहचान कर नही होती है इसलिए हेलमेट लगाकर दो पहिया को चलाना अनिवार्य है लेकिन अब ये साहब तो अपनी वर्दी के रौब में है और बैक को बिना हेलमेट के चला रहे हैं।

बिना हाई सिक्योर्टी नंबर प्लेट पर किया जाता है 5 से 10 हजार तक जुर्माना

जो यातायात नियमों का पालन करा रहे हैं अगर वही उन नियमों को तोड़ने में अपनी अहम् भूमिका निभा रहे हो तो अब ऐसे में लगता है की इन साहब को कीसी का भय नही है क्योंकि ये खुद ही चालान करने वाले साहब हैं तो ऐसे में इनका कौन चालान करेगा म जबकी यातायात नियमों के तहत देखा जाए की जब ये नियम हाई सिक्योर्टी नंबर प्लेट लगाने को लेकर नियम लागू किया गया था तो उसमे साफ़ साफ़ कहा गया है की अगर बिना हाई सिक्योर्टी नंबर प्लेट के कोई भी बाहन संचालित किया जाता है तो उसमे 5 से 10 हजार तक जुर्माना किया जाने का प्रावधान है वही इस बात को भी ट्राफिक पुलिस को कोई डर नही है लेकिन नियम को तो तोड़ना है।

क्या कहते हैं ट्राफिक प्रभारी बांदा

जैसे ही मामला संज्ञान में आया अहै तो मेरे द्वारा तुरंत हेलमेट न लगाने को लेकर चलान किया गया है क्योंकि बिना हेलमेट के बाइक को चलाना गलत है और यह नियम का उलंघन है।

महाशिवरात्रि पर आज शिवालयों में उमड़ेगा शिवभक्तों का भारी सैलाब

- मंदिर समिति ने पूरी की भक्तों की सुविधा व सुरक्षा की तैयारियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। महाशिवरात्रि को लेकर जिले के सभी शिवालयों को रंगरोगन आदि से सजाया और संवारा गया है। महाशिवरात्रि पर्व पर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष व्रत रखेंगे। शाम को स्नान आदि के बाद पूजा होगी। रात्रि के चार प्रहरों में हर प्रहर में शिव पूजा की जा सकती है। शिवलिंग पर बेल पत्र, पान, सुपाड़ी, रोली, मौली, चंदन, लौंग, इलायची, दूध, दही, शहद, धतुरा आदि अर्पित करने के साथ जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक किया जाएगा। महाशिवरात्रि पर्व रविवार को है। शिवालयों में ओम नमः शिवाय और बम-बम भोले आदि शिव मंत्र गूंजेंगे। पौराणिक मान्यता है कि महाशिवरात्रि पर भगवान शिव व माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन भगवान शिव और पार्वती की विधि-विधान से पूजा होती है। शहर के कैलाशपुरी स्थित वामदेवेश्वर मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। वामदेवेश्वर पहाड़ पर ऊंची चट्टानों के बीच वामदेव महादेव मंदिर शिव भक्तों का आस्था केंद्र होने के साथ ही प्राकृतिक रूप से भी आकर्षक है। रामायणकालीन इस भव्य मंदिर की स्थापना महर्षि वामदेव द्वारा बताई जाती है। कहा जाता है कि महर्षि बामदेव की तपस्या से यह शिवलिंग उत्पन्न हुआ था। कहते हैं कि वनवास के लिए चित्रकूट जाते समय श्रीराम और सीता ने इसी बामदेवेश्वर पर्वत में महर्षि बामदेव का आशीर्वाद लिया था और शिवलिंग की पूजा की थी। यह शिवलिंग चट्टानों के बीच 5 मीटर गुफा में है। कई अन्य मंदिर भी हैं। खास बात यह भी है कि मंदिरों में शिवलिंग के पास नंदी की मूर्ति होती है, लेकिन यहां नादिया के स्थान पर अखंड दीपक शुरू से ही जलता रहता है। महाशिवरात्रि पर तड़के से देर रात तक हजारों महिला-पुरुष गुफा तक पहुंचने के बाद शिवलिंग पर जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक कर पूजा अर्चना के लिए लंबी लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करेंगे। मंदिर के पुजारी पुत्तन तिवारी के बताते हैं रामायण काल में इस शिवलिंग का वर्णन है। बताया कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते उनकी सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

कालिंजर में होगी नीलकंठेश्वर महादेव की पूजा

ऐतिहासिक कालिंजर दुर्ग में स्थित नीलकंठेश्वर मंदिर के शिवलिंग का दुर्लभ और दिलचस्प इतिहास है। चट्टानों को काटकर बनाई गई प्रतिमाएं और शिल्प कृतियां बेहद आकर्षक हैं। वास्तु शिल्प की दृष्टि से यह मंडप चंदेल शासकों की अनोखी कृतियां हैं। मंदिर के ऊपर पानी का ऐसा प्राकृतिक स्त्रोत है जो कभी नहीं सूखता। इससे शिवलिंग का जलाभिषेक कुदरती तौर पर निरंतर होता रहता है। चतुर्थ शताब्दी में यहां नागों ने नीलकंठ महादेव का मंदिर बनवाया। चंदेल काल से ही यहां पूजा-अर्चना होती चली आ रही है। श्रद्धालु बताते हैं कि शिव मूर्ति कंठ चट्टान में होने के बावजूद स्पर्श करने से मुलायम प्रतीत होता है। महाशिवरात्रि के पर्व पर यहां भी भगवान नीलकंठेश्वर महादेव की आराधना की जाएगी और यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का मेला लगेगा।

अधिवक्ता संघ चुनाव में कई पर्चे हुये खारिज,अध्यक्ष व महासचिव पद पर होगा सीधा मुकाबला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। अधिवक्ता संघ के चुनाव में नाम वापसी हुआ नामांकन पत्रों की जांच के दौरान एक और जहां जांच के दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता व पुस्तकालय मंत्री संजय कुमार श्रीवास का पर्चा खारिज हो गया वहीं अध्यक्ष और महासचिव में कोई भी नामांकन वापस न होने पर अध्यक्ष और महासचिव में दो-दो प्रत्याशी होने पर सीधा मुकाबला तय हो गया।

अधिवक्ता संघ के चुनाव में शुक्रवार को नामांकन पत्रों की जांच व नाम वापसी पर नामांकन पत्रों के जांच के दौरान निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र गुप्ता ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता व पुस्तकालय मंत्री संजय कुमार श्रीवास के प्रपत्रों में गड़बड़ी पाए जाने पर नामांकन पत्र खारिज कर दिए वहीं साथ ही कनिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष कुमारशुक्ला व धीरेंद्र सिंह वरिष्ठ सदस्य सधारी प्रसाद वर्मा संतोष कुमार शिव भवन कुशवाहा अवधेश कुमार त्रिपाठी के नामांकन पत्र विद्या पाए जाने पर एक-एक प्रत्याशी होने पर निर्विरोध विजय घोषित कर दिए गए इसके साथ ही4 बजे तक अध्यक्ष पद पर प्रत्याशी अमर सिंह राठौड़ व अमर बाबू सचदेवा व महासचिव पद पर सूरज बाजपेई व लखन मिश्रा में से किसी द्वारा भी नामांकन वापस न लिए जाने पर अब अध्यक्ष महासचिव दोनों पदों पर दो-दो प्रत्याशी होने पर सीधा मुकाबला तय हो गया है दोनों पदों पर प्रत्याशियों ने अपने-अपने समर्थकों के साथ देर शाम अधिवक्ताओं को अपने-अपने पाली में लाने के लिए जोर अजमाइश शुरू कर दी है निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि 17 फरवरी को दोनों पदों के लिए मतदान होगा।

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/रिपेयर, यांत्रिक कारखाना प्रबंधक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र सं0 1:- ई-निविदा सूचना सं0 एवं निविदा कार्य का विवरण: टेण्डर न.- '52-जीकेपी-एमडब्लूएस-2025-26' 'ओवरहॉलिंग एण्ड फंक्शन टेस्टिंग ऑफ गार-ब्रेक्स मेक मेन एयर कम्प्रेसर माडल नंबर वीपीटी-120 सूटेबल फॉर ट्रेन-18/वंदे भारत फॉर 12 मंथ्स एट मैकेनिकल वर्कशाप, गोरखपुर' अनुमानित लागत (रू0में): ₹ 6572235.44, धरोहर राशि(रू0में): ₹ 131500.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य-रू शून्य, निविदा समापन की तिथि एवं अवधि 11.00 बजे, 06.03.2026, संविदा की अवधि 12 माह।

उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखें।

उप मुख्य यांत्रिक इंजी./रिपेयर, यांत्रिक गुनामी/यांत्रिक-139 कारखाना, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन नोटिस सं0-04/2026

पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल रेल प्रबन्धक (वाण), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है। क्र0 सं0 1 लॉट सं0 PnU-LJN-ASH-Toi-20-23-1 (Pay and Use-Toilets) कार्य का विवरण: ऐशबाग स्टेशन के प्लेटफार्म (द्वितीय प्रवेश द्वार साईड) में स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु। निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई-ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। आईआरईपीएस पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई-ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होगी। सभी लॉट के लिये ई-ऑक्शन दि0 27.02.2026 11:00 बजे प्रारंभ होकर 27.02.2026, को 11:30 बजे बंद होगी। इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। अर्नेस्ट मनी की राशि (5%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर टेंकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे-डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। विस्तृत सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in (E-Auction module) पर उपलब्ध है।

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक / लखनऊ

पूवारि/वाणिज्य-259

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदाएं सिंगल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं. : 106-सिग/टेंडर/64/2025-26	
कार्य का नाम: उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के पी.एफ.एम.-अकबा सेक्शन में डायरेक्ट इंटरलॉकिंग के स्थान पर यू.एस.एल.बी.आई. का प्रावधान।	
अनुमानित लागत : रु. 88,70,618.73/-	
निविदा प्रपत्र की कीमत : शून्य	
धरोहर राशि : रु. 1,39,400/-	
कार्य पूरा करने की अवधि : 240 दिन	
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 06.03.2026, 15:30 Hrs	
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है : www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/	

ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • सामान्य नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

सं.: 106-सिग/टेंडर/64/2025-26 दिनांक: 13.02.2026 502/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम	मॉडिफिकेशन ऑफ एयर ब्रेक पाइप्स इन एलएचबी कोचेस ऐट कैरिज वर्कशॉप, आलमबाग।
2	कार्यस्थल	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ
3	अनुमानित लागत	रु० 1,60,07,249.44 मात्र।
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य।
5	बिड सिक्युरिटी	रु० 2,25,000/- मात्र।
6	कार्य पूर्ण करने की अवधि	02 वर्ष।
7	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनांक- 06.03.2026 समय 15:00 बजे तक।
8	प्रमाणपत्र	फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure-A(a) (यदि Partnership/ HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।
9	खुलने का समय	निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।
10	कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है।	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट- www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
11	वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है।	

सं. 2026-ए.एम.टी.-सी एंड डब्लू ईनिविदा-10 दिनांक: 12.02.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 505/26

एक्सपोजर विजिट को बेसिक शिक्षा विभाग ने अधिकृत की 16 बसें और डीएम ने दिखायी हरी झंडी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- कस्तूरबा की छात्राएं झांसी का किला व संग्रहलय का करेंगी भ्रमण

बांदा। छात्राओं में जिज्ञासा और वैज्ञानिक मनोवृत्ति आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं के एक्सपोजर विजट बसों को जिलाधिकारी ने पं.जेएन डिग्री कालेज ग्राउंड से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विद्यालय की छात्राएं झांसी का किला व संग्राहलय का भ्रमण करेंगी। शहर के पं.जेएन डिग्री कालेज ग्राउंड से शनिवार को सुबह जिलाधिकारी जे.रीभा ने समारोह के बीच झंडी दिखाकर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं के एक्सपोजर विजट वाहनों को रवाना किया।

हथियारबंद लोगों का क्रशर प्लांट पर हमला

गाडियों और आफिस में की तोड़फोड़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सोनभद्र। ओबरा थानांतर्गत बिल्ली खनन क्षेत्र के रासपहरी स्थित एक क्रशर प्लांट पर गुरुवार देर रात हथियारबंद हमलावरों ने धावा बोलकर गाड़ियों सहित आफिस के अंदर घुसकर तोड़फोड़ किया। हमलावर आफिस में रखा पैसा भी उठा ले गए। इस घटना के बाद पूरे खनन क्षेत्र में दहशत फैल गई।

घटना के बाद से खनन क्षेत्र में असुरक्षा का माहौल है। वहीं घटना की सूचना पर पुलिस ने तीन नामजद सहित लगभग आधा दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पीड़ित क्रशर संचालक कृष्णा गुप्ता निवासी शिव नगर ओबरा के अनुसार रात लगभग साढ़े इग्यारह बजे गिट्टी कारोबार से जुड़े धीरू अपने सहयोगियों अजय और केशव यादव सहित आधा दर्जन लोगों के साथ लाठी-डंडों से लैस होकर प्लांट परिसर में पहुंचे। आरोप है कि आते ही उन्होंने कर्मचारियों पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से अफरातफरी मच गई और कर्मचारी जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। हमलावरों ने परिसर में खड़े वाहनों के शीशे व लाइटें भी तोड़ दिए तथा मशीनरी और अन्य उपकरणों को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद वे आफिस में घुसकर टीवी सहित इलेक्ट्रॉनिक सामान व फर्नीचर को क्षतिग्रस्त कर दिया। आरोप है कि कार्यालय में रखी नकदी और आवश्यक दस्तावेज भी अपने साथ ले गए।

बताया जा रहा है कि यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसमें हमलवारों की पहचान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। जाते समय हमलावरों ने संचालक और कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार ने बताया कि हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए टीम बनाकर दबिष दी जा रही है। किसी भी कीमत पर अराजकता फैलाने वालों बख्शा नहीं जाएगा। प्रभारी निरीक्षक सदानंद राय ने बताया कि शिकायत के आधार पर तीन नामजद सहित लगभग आधा दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है, आरोपियों की तलाश की जा रही है।

राष्ट्रीय बजरंग दल ने पुलवामा शहीदों की स्मृति में मनाया काला दिवस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद से संबद्ध राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा शुक्रवार को पुलवामा हमले में शहीद जवानों की स्मृति में काला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ता गोला गोकर्णनाथ स्थित वीर अब्दुल हमीद शहीद स्मारक पहुंचे, जहां शहीद वीर अब्दुल हमीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुलवामा में शहीद हुए 40 जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को नमन किया गया। जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया ने अपने संबोधन में कहा कि पुलवामा आतंकी हमला देश के लिए काला दिन था, जिसे हर वर्ष स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे जवान भीषण गर्मी, सर्दी और तूफानों में भी सीमाओं पर तैनात रहकर देश की सुरक्षा करते हैं और हम सभी का कर्तव्य है कि उन्हें शत-शत नमन करें।

इसके बाद राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण किया। वैलेंटाइन डे के अवसर पर पार्कों, होटलों और रेस्टोरेंटों में विशेष निगरानी रखी गई तथा कुछ स्थानों पर युगल जोड़ों को समझाइश देकर छोड़ा गया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री प्रदीप जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष वरिष्ठ आकाश जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष अनुज वर्मा, जिला संयोजक ठाकुर पंकज सिंह, विधानसभा अध्यक्ष सोनू बजरंगी, मंडल अध्यक्ष गोल्ड मिश्रा सहित अंकित कुमार, विपिन कुमार, नितिन कुमार, विकास कनौजिया, अभिषेक सूर्या, विक्रम सिंह चौहान, लालता प्रसाद, सनी गुप्ता, प्रसून मिश्रा, बंटी लाला, अनिकेत कुमार समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्षेत्र पंचायत निधि से बने अमृत सरोवर में भ्रष्टाचार की आशंका दो साल में ही हुआ क्षतिग्रस्त

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील गोला क्षेत्र की ग्राम पंचायत विलहरी अंतर्गत ग्राम कैमहरा में क्षेत्र पंचायत सदस्य निधि से निर्मित अमृत सरोवर देखरेख के अभाव और मानकों की अनदेखी के चलते क्षतिग्रस्त हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि लगभग दो वर्ष पूर्व 2023S24 में करीब दस लाख रुपये की लागत से बने इस सरोवर में घटिया निर्माण कराया गया, जिसके कारण अल्प समय में ही इसकी हालत खराब हो गई। ग्रामीण कृष्ण कुमार बाजपेई, प्रवीण, अनुज बाजपेई कल्लू, सरबर, मोहसिन, सत्यम मिश्र, ऐससान खान, असलम खान आदि ने बताया कि सरोवर की सड़के मिट्टी में धंस गई हैं। मुख्य द्वार और बाउंड्री वाल भरभराकर गिर चुके हैं। वहीं, ग्रामीणों के बैठने के लिए लगाई गई सीमेंटेड सीटें भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति निर्माण कार्य में व्यापक भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है। इस संबंध में ग्राम प्रधान विलहरी कैमहरा अजहरुद्दीन अंसारी ने स्पष्ट किया कि उक्त तालाब का निर्माण क्षेत्र पंचायत निधि से कराया गया था, ग्राम पंचायत का इससे कोई लेना-देना नहीं है।

कुकरा के भारत मैरिज लॉन में खरीददारी को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प, कई घायल, रिपोर्ट दर्ज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। थाना मैलानी क्षेत्र अंतर्गत पुलिस चौकी कुकरा के भारत मैरिज लॉन में खरीददारी के दौरान हुए विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। घटना 13 फरवरी 2026 की शाम करीब पौने चार बजे की बताई जा रही है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे क्षेत्र में चर्चा और तनाव का माहौल बन गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शामली जनपद के कैराना निवासी मोहम्मद तालिब पुत्र नसीम अपने साथियों कासिम, अदनान, इंतजार, इशरार आदि के साथ भारत मैरिज लॉन में गर्म कपड़ों की दुकान लगाए हुए थे। इसी दौरान खरीददारी को लेकर पैसों के लेन-देन पर कहासुनी हो गई, जो बढ़ते-बढ़ते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि विपक्षी अयाज पुत्र इरसाद (निवासी जादमपुर, थाना खुटार, शाहजहांपुर) अपने साथियों अतीक पुत्र रफीउल्ला, गुलाम मोहम्मद पुत्र रफीउल्ला एवं अन्य अज्ञात लोगों के साथ लाठी-डंडे और फावड़े लेकर मैरिज लॉन के अंदर घुस आए और दुकानदारों पर हमला कर दिया। इस हमले में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। दूसरी ओर, आरोपी पक्ष का दावा है कि दुकानदारों ने उनके घर की महिलाओं से छेड़छाड़ की थी, जिसके विरोध में यह घटना हुई। हालांकि, दुकानदारों ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि विवाद केवल रेट और खरीददारी को लेकर था, जिसे बेवजह हिंसा में बदल दिया गया। घायलों को उपचार के लिए सीएससी बांकेगंज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने कासिम, मोहम्मद तालिब और इशरार की हालत नाजुक देखते हुए लखीमपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया। वहीं, मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान कासिम और अदनान की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। मामले में थाना मैलानी पुलिस को दोनों पक्षों से तहरीर प्राप्त हो चुकी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों के आधार पर जांच कर रही है।

खाटू श्याम मंदिर में विजय एकादशी पर भव्य संकीर्तन, महिलाओं की रही सहभागिता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। विजय एकादशी के पावन अवसर पर गोला गोकर्णनाथ नगर के समीप कंजादेव स्थान पर स्थित खाटू श्याम मंदिर में भव्य एवं भक्तिमय संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री श्याम दीवाने सेवा समिति गोला द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जिसमें महिलाओं की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक गणेश वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रसिद्ध भजन गायक अजय गुप्ता एवं शिवम गुप्ता ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। खाटू श्याम बाबा के भजनों पर भक्त झूमते और नाचते नजर आए, वहीं मंदिर प्रांगण श्याम बाबा के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी संतोष पाठक ने विजय एकादशी के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह व्रत भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्ति का साधन है। उन्होंने कहा कि इस व्रत के प्रभाव से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं, शत्रुओं पर विजय मिलती है और कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की शक्ति प्राप्त होती है। संकीर्तन में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित सभी आयु वर्ग के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

विधायक की पहल कालिंजर दुर्ग स्थित नीलकंठ महादेव पूजा-अर्चना को नहीं देना होगा शुल्क

बांदा। महाशिवरात्रि के मौक पर पुरातत्व सर्वेक्षण महानिदेशालय ने श्रद्धालुओं को बड़ी सौगात दी है। पौराणिक व ऐतिहासिक कालिंजर दुर्ग स्थित भगवान नीलकंठ महादेव की पूजा-अर्चना को अब श्रद्धालुओं को प्रवेश शुल्क अदा नहीं करना पड़ेगा। महाशिवरात्रि सहित सावन मास और अन्य पर्वों पर श्रद्धालु किले और नीलकंठ मंदिर तक आसानी से पहुंचेंगे। क्षेत्रीय विधायक ओममणि वर्मा का प्रयास रंग लाया। पुरातत्व सर्वेक्षण महानिदेशालय (नई दिल्ली) ने क्षेत्रीय विधायक समेत प्रदेश सरकार के संयुक्त सचिव को पत्र भेजकर बताया है कि ऐतिहासिक कालिंजर दुर्ग स्थित भगवान नीलकंठ महादेव की पूजा-अर्चना को अब श्रद्धालुओं को प्रवेश शुल्क अदा नहीं करना पड़ेगा। अब श्रद्धालु और सैलानी निःशुल्क किला तक पहुंचकर भगवान नीलकंठ महादेव की पूजा अर्चना करेंगे। बताया कि महाशिवरात्रि और सावन मास के प्रत्येक सोमवार सहित कार्तिक पूर्णिमा पर किले मंग प्रवेश पूरी तरह से मुफ्त रहेगा।

सफलता के लिए परिश्रम और अनुशासन जरूरी : अनंत प्रकाश सरोज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला गोकर्णनाथ स्थित कृषक समाज इंटर कॉलेज गोला में इंटरमीडिएट की छात्राओं के लिए विदाई एवं आशीर्वचन समारोह का भव्य आयोजन अनुशासित और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कॉलेज प्रबंधक एवं पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर संगीत शिक्षिका आरती गुप्ता ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, जबकि हिंदी प्रवक्ता अनुराग वाजपेई ने काव्य पाठ के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया।

कक्षा 11 की छात्राओं ने अपनी सीनियर छात्राओं के सम्मान में सांस्कृतिक गीतों व प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। हिंदी प्रवक्ता ओम प्रकाश यादव ने छात्राओं को जीवन में धैर्य और साहस के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के सुझाव दिए।

वहीं अंग्रेजी शिक्षिका पूनम वर्मा ने अपने जीवन अनुभव साझा कर सफलता के सूत्र बताए। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में सफलता के लिए कठिन परिश्रम और गुरुजनों द्वारा दिए गए संस्कार अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक एवं पाठ्य सहगामी गतिविधियों में छात्राओं की सक्रिय सहभागिता की सराहना की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कॉलेज के प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए परिश्रम और अनुशासन अत्यंत जरूरी है।

इस अवसर पर प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष नारायण लाल वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में संयोजिका सुप्रिया गुप्ता, आरती गुप्ता, रागिनी, मनीषा भारती, सत्यवती गौतम, अरुण शेखर, सरोज कुमार वर्मा, योगेंद्र कुमार एवं हसीब अख्तर अंसारी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा प्रभारी देवेंद्र सिंह ने किया। अंत में छात्राओं को उपहार स्वरूप पेन वितरित किए गए।

मिनी स्टेडियम के लिए जगह का करें चिन्हांकन : जिलाधिकारी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में शनिवार को गांव की समस्या-गांव में समाधान के तहत विकास खंड नूरपुर के ग्राम गाजीपुर में आयोजित चौपाल कार्यक्रम की समाप्ति के बाद खंड विकास कार्यालय नूरपुर का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने खंड विकास कार्यालय में एसआईआर के अंतर्गत फर्जी वोटर की चेकिंग कक्षा का निरीक्षण किया और कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर से उसकी चेकिंग करने के तरीके के बारे में पूछा और प्रैक्टिकल रूप से उसको चेक किया। उन्होंने निर्देश दिए की ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत जितने भी गौशालाएं हैं सभी में गोवंशों के लिए पानी चारा सहित सभी व्यवस्थाएं रखी जाएं। उन्होंने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि पीएम आवास योजना के अंतर्गत पात्र लोगों तक उक्त योजना को पहुंचाया जाये। जिलाधिकारी कौर खंड विकास अधिकारी को यह भी निर्देशित किया कि ब्लॉक में युवाओं को खेल से जोड़ने के लिए मिनी स्टेडियम के लिए जगह का चिन्हांकन करें और निर्माण के लिए इसका प्रस्ताव उनके द्वारा शासन को प्रेषित कराएं।

महाशिवरात्रि पर गोला गोकर्णनाथ में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

80 हजार श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना

- प्रशासन ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी, भारी वाहन व ई-रिक्शा रहेंगे प्रतिबंधित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। छोटी काशी के नाम से विख्यात गोला गोकर्णनाथ स्थित पौराणिक शिव मंदिर (छोटी काशी) में महाशिवरात्रि का पावन पर्व 15 फरवरी 2026, रविवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर 70 से 80 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन व पुलिस ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं। पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए विशेष ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। यातायात डायवर्जन रहेगा लागू प्रशासन के अनुसार, शनिवार 14 फरवरी की शाम 7 बजे से रविवार 15 फरवरी की रात 2 बजे तक गोला नगर क्षेत्र में यातायात डायवर्जन लागू रहेगा।

लखीमपुर की ओर से आने-जाने वाले वाहन नगर में प्रवेश न कर बाईपास मार्गों का उपयोग करेंगे। मोहम्मदी, खुटार और अलीगंज की ओर से आने वाले वाहनों के लिए भी वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अस्थायी बस अड्डा और पार्किंग व्यवस्था महाशिवरात्रि के दौरान रोडवेज बसों का संचालन मोहम्मदी बाईपास (नया बाईपास) स्थित अग्रवाल राइस मिल यार्ड से किया जाएगा। गोला नगर में बसों का प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा। पार्किंग के लिए लखीमपुर की ओर से आने वाले वाहनों को पशु बाजार व रिलायंस पंप के पास, अलीगंज की ओर से आने वालों को मंडी समिति गोला तथा खुटार, मोहम्मदी व बांकेगंज की ओर से आने वाले वाहनों को मिल यार्ड पार्किंग में खड़ा कराया जाएगा। दुपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग स्थान चिन्हित किए गए हैं।

भारी वाहन और ई-रिक्शा पर रोक

सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए शनिवार शाम 8 बजे से रविवार रात 2 बजे तक गन्ना ट्रक, अन्य भारी एवं कमर्शियल वाहनों का गोला नगर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही इस अवधि में कस्बे के भीतर ई-रिक्शा का संचालन भी बंद रहेगा। चीनी मिल से जुड़े किसानों से भी दिन में गन्ना न लाने की अपील की गई है। पैदल दर्शन की व्यवस्था

सदर चौराहा से छोटा चौराहा/शिवम चौराहा तक किसी भी प्रकार के वाहनों का प्रवेश पूरी तरह निषिद्ध रहेगा। इस मार्ग पर श्रद्धालुओं को पैदल दर्शन के लिए भेजा जाएगा। पुलिस सहायता उपलब्ध श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुलिस सहायता हर समय उपलब्ध रहेगी। किसी भी जानकारी या समस्या के लिए प्रभारी निरीक्षक थाना गोला खीरी अम्बर सिंह अथवा यातायात पुलिस से संपर्क किया जा सकता है। प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे जारी की गई ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करें और सहयोग देकर महाशिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में मदद करें।

संक्षिप्त समाचार

पीस कमेटी की बैठक में 'भेदभाव' का आरोपः ग्रामप्रधान खफा, महाशिवरात्रि से पहले पुलिस पर उठे सवाल

अज़ान खीरी। महाशिवरात्रि और आगामी त्योहारों के मद्देनज़र थाना हैदराबाद में बृहस्पतिवार को आयोजित पीस कमेटी की बैठक विवादों में घिर गई है। कई ग्रामप्रधानों और स्थानीय मीडियाकर्मियों ने आरोप लगाया कि बैठक में केवल ल्लचहेतोंङ्क को ही आमंत्रित किया गया, जबकि बड़ी संख्या में ग्रामप्रधानों और संभ्रांत नागरिकों को शामिल नहीं किया गया। इस कथित भेदभावपूर्ण रवैये को लेकर क्षेत्र में पुलिस प्रशासन के प्रति नाराज़गी देखी जा रही है। ग्रामप्रधानों का कहना है कि पीस कमेटी की बैठकों का उद्देश्य आम जनता और पुलिस के बीच समन्वय स्थापित कर त्योहारों के दौरान शांति व सौहार्द बनाए रखना होता है। ऐसी बैठकों से पुलिस को क्षेत्र की जमीनी हकीकत समझने और अपेक्षित सहयोग प्राप्त करने में मदद मिलती है, ताकि धार्मिक आयोजन सकुशल संपन्न हो सकें। लेकिन आरोप है कि हैदराबाद थाने में हुई बैठक में आमंत्रण को लेकर बरती गई मनमानी ने इसकी उपयोगिता को कम कर दिया और यह महज़ ल्लखानापूर्तिङ्क बनकर रह गई। कई ग्रामप्रधानों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उन्हें बैठक की सूचना तक नहीं दी गई या जानबूझकर अनदेखा किया गया। वहीं, कुछ मीडियाकर्मियों ने भी शिकायत की कि उन्हें इस अहम बैठक से दूर रखा गया। इस घटनाक्रम ने उत्तर प्रदेश सरकार के उस उद्देश्य पर भी सवाल खड़े किए हैं, जिसमें आम नागरिकों को पुलिस के साथ मिलकर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहभागी बनाने पर ज़ोर दिया जाता है। क्षेत्र के संभ्रांत लोगों का मानना है कि संवेदनशील समय में, जब त्योहार नज़दीक हों, पुलिस को सभी वर्गों को साथ लेकर चलना चाहिए। इस तरह का कथित भेदभाव न केवल विश्वास में कमी लाता है, बल्कि भविष्य में शांति व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों को भी कमजोर कर सकता है।

करंट से युवक झुलसा

बांदा। तिंदवारी कस्बा निवासी दीपक (25) पुत्र शिवप्रसाद शुक्रवार की रात काम कर रहा था। तभी करंट लगने से झुलस गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

युवती ने जहर खाया

बांदा। तिंदवारी थाना क्षेत्र के सैमरी गांव निवासी माया (35) पत्नी रामसधन ने शुक्रवार की रात किसी बात नाराज होकर जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर घरवालो को पता चला। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आग से मासूम झुलसी

बांदा। शहर कोतवाली क्षेत्र के गंछा गांव निवासी दीक्षा (2) पुत्री रामनरेश शुक्रवार की शाम अलाव के पास खेल रही थी। तभी उसके कपड़ो आग लग जाने से झुलस गई। उसे भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

तेज रफ्तार थार दुकान में घुसी, दिव्यांग की कुचलकर मौत

बांदा। सोशल मीडिया के लिए रील बनाने के दौरान अनियंत्रित थार दिव्यांग मजदूर को टक्कर मारते हुए चश्मे की बंद दुकान के अंदर जा घुसी। हादसे में दिव्यांग की मौत हो गई। जबकि थार सवार युवती घायल हो गई। थार चालक व साथ में बैठा एक अन्य युवक मौके से भाग निकले। पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सीएचसी परिसर में दो घंटे तक हंगामा किया। पुलिस के समझाने व तत्काल मुकदमा दर्ज करने का आश्वासन पर परिजन शांत हुए। कस्बा के शिवपुरी महेश (45) पुत्र रामचंद्र वर्मा शुक्रवार की रात थाने के समीप स्थित दुकान के पास खड़ा था। इसी बीच तेज रफ्तार में आ रही थार आनियंत्रित होकर दुकान में घुस गई। चपेट में आकर महेश गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में थार सवार युवती भी घायल हो गई। हदासे के बाद थार चालक व साथ ने बैठा युवक मौके से फरार हो गए।

थाना समाधान दिवस : कोतवाली सदर में डीएम-एसपी ने सुनी जनसमस्याएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जनपद के समस्त थानों में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसी क्रम में लखीमपुर खीरी स्थित कोतवाली सदर में आयोजित समाधान दिवस में जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल एवं पुलिस अधीक्षक डॉ ख्याति गर्ग ने पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। समाधान दिवस के दौरान भूमि विवाद, राजस्व एवं पुलिस से संबंधित शिकायतें प्रमुख रहीं। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों का निस्तारण आपसी समन्वय से समयबद्ध और निष्पक्ष ढंग से कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जरूरत पड़ने पर राजस्वकर्मियों व पुलिस बल के साथ मौके पर जाकर विवादों का समाधान किया जाए। गंभीर मामलों में तत्काल एसडीएम या तहसीलदार को अवगत कराते हुए मौके पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉ ख्याति गर्ग ने भी फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त प्रार्थना पत्रों की निष्पक्ष जांच कर विधिक व स्थायी समाधान किया जाए। उन्होंने थाना समाधान दिवस में आए मामलों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, सीओ सिटी विवेक तिवारी, प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। कोतवाली सदर का निरीक्षण भी किया समाधान दिवस के उपरांत डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी डॉ ख्याति गर्ग ने कोतवाली सदर का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने अभिलेखों की जांच के साथ मालखाना, हवालात, महिला हेल्प डेस्क एवं फरियादियों के बैठने की व्यवस्था का निरीक्षण किया। वहीं एसपी ने ड्यूटी रजिस्टर और सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई और अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को कुछ बिंदुओं पर आवश्यक सुधार के निर्देश भी दिए गए।

मुरादाबाद से बरेली रूट पर चलाई जाएंगी डबल डेकर एसी ई-बसें

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में पीतलनगरी बस अड्डे से बरेली तक डबल डेकर ई-बसों का संचालन किया जाएगा। इस रूट पर ई-बसों का ट्रायल 10 दिनों में शुरू किया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां चल रही हैं। कटघर स्थित क्षेत्रीय वर्कशाप में चार डबल डेकर एसी ई-बसें खड़ी हैं। इन बसों को चलाने के लिए चालकों और परिचालकों का चयन किया जा रहा है। सबसे पहले बसों का संचालन बरेली रूट पर किया जाएगा। मुरादाबाद डिपो सीनियर फोरमैन गजेंद्र सिंह नहीं शनिवार को बताया कि डबल डेकर बसें आ चुकी हैं। इन्हें चलाने की तैयारियां चल रही हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला कौशल का नहीं , दबाव को झेलने का

एजेंसी

कोलंबो। क्रिकेट में सियासत के घालमेल के कारण पैदा हुआ गतिरोध 'अस्थायी' तौर पर दूर होने के बाद टी20 विश्व कप के सबसे चर्चित मुकाबले में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी आमने सामने होंगे तो भारत के मध्यक्रम के सामने पाकिस्तान के स्पिनरों की चुनौती होगी और मैच की पृष्ठभूमि को देखते हुए अब दोनों टीमें किसी तरह की कोताही बरतना नहीं चाहेगी।

पाकिस्तान ने मैच के बहिष्कार के अपने फैसले पर 'यू टर्न' लेकर प्रेमदासा स्टेडियम पर यह मैच खेलने का फैसला लिया। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद, बांग्लादेश और श्रीलंका क्रिकेट के बीच हफ्तों तक लंबी बातचीत हुई। व्यवहारिक तौर पर पूरा दक्षिण एशिया इस मैच को कराने के प्रयासों में जुटा हुआ था चूंकि प्रसारकों, प्रायोजकों से लेकर दर्शकों तक के लिये यह मैच सबसे अहम रहता है। विवाद की शुरूआत बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान का कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ आईपीएल करार रद्द करने से हुई। बांग्लादेश के प्रति एकजुटता दिखाते हुए पाकिस्तान ने मैच के बहिष्कार का फैसला ले लिया था। वहीं दोनों टीमों के क्रिकेटरों ने इसे आम मैच बताकर हाइप कम करने की पूरी कोशिश की। लेकिन दोनों टीमों की क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता और खासकर इस मैच की पृष्ठभूमि को देखते हुए यह तो तय है कि अब कोई इसे हारना नहीं चाहेगा। हारने पर अपने प्रशंसकों का कोपभाजन बनना दोनों में से किसी टीम को मंजूर नहीं होगा और वह भी तब जबकि विश्व कप के अहम मुकाबले अभी आने बाकी हैं। भारत के सामने समस्या अभिषेक शर्मा को लेकर है जो पेट के संक्रमण के कारण दो दिन अस्पताल में रहे और नामीबिया के खिलाफ नहीं खेल सके थे। उनके नहीं खेलने पर या तो संजू सैमसन को ही उतारा जाये या ईशान किशन के साथ पारी की शुरूआत के लिये वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया जाये जो फिट हो गए हैं। सुंदर प्रेमदासा स्टेडियम की धीमी पिच पर अच्छी आफ स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं। पिच को देखते हुए बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को भी उतारा जा सकता है। ऐसे में रिंकू सिंह को बाहर रहना पड़ सकता है। बाबर आजम के खिलाफ कुलदीप के शानदार रिकॉर्ड और एशिया कप फाइनल में उनके चार विकेट को देखते हुए उन्हें इस मैच में मौका देना अच्छा विकल्प होगा। विश्व कप से पहले भारत की बल्लेबाजी काफी मजबूत लग रही थी लेकिन टूर्नामेंट के दो मैचों में बल्लेबाजों का प्रदर्शन चिंता का सबब है। अमेरिका के खिलाफ भारत के छह विकेट 77 रन पर गिर गए थे जबकि नामीबिया के खिलाफ डैथ ओवरों में मेजबान टीम ने चार रन के भीतर पांच विकेट गंवा दिये थे लेकिन 200 रन से अधिक का स्कोर और 93 रन से जीत के कारण यह कमजोरियां दब गई।

टकर के 94 रन से आयरलैंड ने ओमान को 96 रन से हराया

एजेंसी

कोलंबो। कप्तान लोरकान टकर के 51 गेंद में 94 रन की मदद से आयरलैंड ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के एकतरफा मैच में शनिवार को ओमान को 96 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर आयरलैंड ने पांच विकेट पर 235 रन बनाये। टकर ने अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के लगाये और उनकी पारी के दम पर आयरलैंड ने तीन विकेट पर 47 से उबरते हुए इस टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर आउट हो गई। आमिर कलीम ने 50 और हमाद मिर्ज़ा ने 46 रन बनाये। ओमान के आठ बल्लेबाज दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सके। आयरलैंड के लिये जोश लिटिल ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिये। मैथ्यू हंफ्रेस और बैरी मैकार्थी को दो दो विकेट मिले। इस जीत के बावजूद आयरलैंड चौथे स्थान पर है जबकि श्रीलंका, जिम्बाब्वे और आस्ट्रेलिया शीर्ष तीन स्थानों पर हैं। इससे पहले गेंदबाजी चुनते हुए ओमान ने पावरप्ले के छह में से पांच ओवर स्पिनरों से कराये। इसका फायदा भी मिला जब 38 वर्ष के शकील ने तीन ओवरों में तीन विकेट लेकर आयरलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 47 रन कर दिया। उन्होंने पहले ओवर में टिम टेक्टर को आउट किया जिसके बाद रोस एडेयर का विकेट लिया। एडेयर ने शाह फैसल को तीन चौके लगाकर अच्छी शुरूआत की थी लेकिन टिक नहीं सके। पांचवें ओवर में शकील ने हैरी टेक्टर को भी पवेलियन भेजा। टूर्नामेंट में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी 44 वर्ष के अनुभवी आमिर कलीम ने कुर्टिस कैम्फर का विकेट लिया। इसके बाद हालांकि टकर ने एक छोर संभालकर आयरलैंड की पारी को संभाला। आयरलैंड के कप्तान ने अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के लगाये। उन्होंने जेरेथ डेलानी (56) के साथ 56 गेंद में 101 रन की साझेदारी की। इसके बाद जॉर्ज डॉकरेल (35) के साथ 19 गेंद में 70 रन जोड़े। डॉकरेल ने नौ गेंद की पारी में पांच छक्के जड़े। आयरलैंड ने आखिरी चार ओवरों में 86 रन बनाये। टकर को पारी की शुरूआत में जीवनदान मिला था जिसका पूरा फायदा उठाते हुए उन्होंने कलीम को चौका लगाकर 35 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। डेलानी ने 15वें ओवर में जितेन रामानंदी को दो छक्के लगाकर 18 रन निकाले। उन्होंने 28 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन 17वें ओवर में शाह फैसल का शिकार हुए। टकर ने मोहम्मद नदीम को तीन छक्के और दो चौके लगाकर एक ओवर में 26 रन निकाले। पारी के 19वें ओवर में डॉकरेल ने दो छक्के लगाकर 21 रन बनाये। उन्होंने आखिरी तीन गेंदों पर भी छक्के लगाकर टीम को इस टूर्नामेंट के सबसे बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने पर कल फैसला , क्रिकेट सही भावना से खेला जाना चाहिए: सलमान अली आगा

एजेंसी

कोलंबो। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप मैच के टॉस या मुकाबले से बाद भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने के सवाल पर कोई सीधा जवाब नहीं दिया लेकिन कहा कि खेल उसी भावना से खेला जाना चाहिए, जिसके लिए वह जाना जाता है। भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने पिछले साल दुबई में आयोजित एशिया कप के समय से एक-दूसरे से हाथ मिलाना बंद कर दिया है। यह टूर्नामेंट पहलगाम हमले और उसके बाद भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की पृष्ठभूमि में खेला गया था। हाथ मिलाने की परंपरा को लेकर पूछे गए सवाल पर आगा ने शनिवार को यहां कहा, ॠइस बारे में हम कल देखेंगे।ॡ आगा ने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में 'खेल भावना' को बनाए रखा जाना चाहिए। आगा ने कहा, ॠक्रिकेट (सही) भावना के साथ खेला जाना चाहिए। मेरी व्यक्तिगत राय शायद मायने नहीं रखती। लेकिन क्रिकेट उसी तरीके से खेला जाना चाहिए, जिस तरह से इसे हमेशा खेला जाना चाहिए था। क्या करना है, यह तय करना उन पर निर्भर है।ॡ इस बीच यह भी पता चला है कि रविवार को प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले मुकाबले से पहले भारतीय खेमे का माहौल भी आक्रामक के बजाय अधिक संयमित रहा है। अंतिम निर्णय उच्च अधिकारियों पर छोड़ते हुए टीम उनके निर्देशों का पालन करेगी। भारतीय टीम के अंदर हालांकि सोशल मीडिया पर सार्वजनिक भावनाओं को लेकर सतर्कता भी है, क्योंकि पहलगाम हमले के बाद भावनाएं अब भी काफी संवेदनशील बनी हुई है और प्रतिक्रियाएं तीखी हो सकती हैं।

नामीबिया को हराकर सुपर आठ की उम्मीदें कायम रखना चाहेगा अमेरिका

एजेंसी

चेन्नई। नीदरलैंड पर मिली जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत अमेरिका टी20 विश्व कप ग्रुप ए के महत्वपूर्ण मुकाबले में नामीबिया को हराकर सुपर आठ में प्रवेश की उम्मीदें बरकरार रखना चाहेगा।

अभी तक दोनों मैच जीतकर भारत और पाकिस्तान ग्रुप में शीर्ष दो स्थानों पर है। अमेरिका अगर यह मैच जीतता है तो शीर्ष दोनों टीमों में से एक के हारने पर उसका मौका बन सकता है। पहले दोनों मैच हारने के बाद अमेरिका ने नीदरलैंड को 93 रन से हराया जो टी20 विश्व कप के इतिहास में किसी एसोसिएट टीम का रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। विभिन्न प्रारूपों में पिछले छह मैचों में नीदरलैंड से हारने के बाद अमेरिका की यह पहली जीत थी जिसकी नींव उम्दा बल्लेबाजी और अनुशासित स्पिन गेंदबाजी ने रखी। अंतिम एकादश में शामिल किये गए साइतेजा मुक्कामल्ला ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए बेहतरीन पारी खेली। शुभम रंजने ने बाद में आक्रामक पारी खेलकर टीम को 200 रन के पार पहुंचाया जबकि कप्तान मोनांक पटेल ने भी 36 रन बनाये। मजबूत स्कोर मिलने के बाद अमेरिका के गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। हरमीत सिंह ने स्पिन आक्रमण का मोर्चा संभाला जिनका मोहम्मद मोहसिन और नोस्तुष केंजिगे ने बखूबी साथ दिया। तीनों ने मिलकर दस ओवर में 60 रन देकर सात विकेट चटकाये। नामीबिया के खिलाफ यह स्पिन तिकड़ी अहम होगी चूंकि भारत के खिलाफ वरूण चक्रवर्ती की गेंदों का सामना नामीबियाई बल्लेबाज नहीं कर सके थे। लगातार हार के बाद बाहर होने की कगार पर पहुंची नामीबिया की टीम को बल्लेबाजी में सुधार करना होगा जबकि डैथ ओवरों में अनुशासित गेंदबाजी भी जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल को हराकर ग्रुप में शीर्ष पर बने रहने के इरादे से उतरेगा वेस्टइंडीज

मुंबई। आत्मविश्वास से लबरेज वेस्टइंडीज टी20 विश्व कप ग्रुप सी के मुकाबले में रविवार को वानखेड़े स्टेडियम पर नेपाल से भिड़ेगी तो उसका लक्ष्य जीत की लय बरकरार रखकर शीर्ष पर अपना स्थान पुख्ता रखने का होगा। वेस्टइंडीज टीम ने अभी तक दोनों मैच जीते हैं और नेट रनरेट (1.625) के आधार पर ग्रुप में शीर्ष पर है। एक और जीत से शीर्ष पर उसका स्थान और पक्का हो जायेगा। इसके बाद वेस्टइंडीज को कोलकाता में इटली से खेलना है और इन दोनों मैचों में जीत से ग्रुप में शीर्ष पर उसका रहना तय हो जायेगा लेकिन उसे आत्ममुग्धता से बचना होगा। नेपाल की टीम भले ही जीत नहीं सकी हो लेकिन उसने टुकड़ों में प्रतिभा का परिचय दिया है और वह उलटफ़ेर कर सकती है। ऐसे में वेस्टइंडीज को संभलकर खेलना होगा और विरोधी को हलके में लेने की गलती से बचना होगा। नेपाल ने पिछले साल सितंबर में टी20 श्रृंखला में वेस्टइंडीज को 2 . 1 से हराया था। उसे पिछले मैच में इटली ने मात दी है। टी20 विश्व कप से पहले वेस्टइंडीज को न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ने श्रृंखलाओं में हराया लेकिन टूर्नामेंट में यह टीम बदली हुई नजर आ रही है। सही समय पर इसने लय हासिल कर ली है और पहले मैच में स्कॉटलैंड को 35 रन से हराने के बाद इंग्लैंड को 30 रन से मात दी। दोनों मैचों में अलग अलग खिलाड़ी मैच जिताने वाले बने हैं और मुख्य कोच डेरेन सैमी यह देखकर जरूर खुश होंगे। तीसरे नंबर पर शिमरोन हेटमायेर और चौथे नंबर पर रोस्टन चेस अच्छा खेल रहे हैं जबकि इंग्लैंड के खिलाफ शेरफ़ेन रदरफोर्ड ने जबर्दस्त बल्लेबाजी की। वानखेड़े स्टेडियम की पिच पर हालांकि उसके तेज गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अब तक चार मैचों में पिच स्पिनरों की मददगार रही है। दूसरी ओर इटली के हाथों दस विकेट से मिली हार को भुलाकर नेपाल को इस अहम मुकाबले में अच्छा खेलना होगा। दो मैच हारने के बाद सुपर आठ में प्रवेश के उसके रास्ते लगभग बंद लग रहे हैं। टी20 विश्व कप में 2014 के बाद से नेपाल को जीत नहीं मिली है। वह इंग्लैंड को हराने के करीब पहुंची थी जिससे उसका मनोबल बढा होगा लेकिन इटली ने उसे उन्नीस साबित कर दिया। टीमें : वेस्टइंडीज: शाई होप (कप्तान एवं विकेटकीपर), जॉनसन चार्ल्स (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, ब्रैंडन किंग, रोवमैन पॉवेल, शेरफ़ेन रदरफोर्ड, क्विंटिन सैम्पसन, रोस्टन चेज़, जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड, मैथ्यू फोर्डे , अकील हुसैन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, जेडन सील्स। नेपाल: रोहित पौडेल (कप्तान), आरिफ शेख, आसिफ शेख (विकेटकीपर), दीपेंद्र सिंह ऐरी, बसीर अहमद, कुशल भुर्टेल, संदीप जोरा, लोकेश बाम, गुलसन झा, करण केसी, सोमपाल कामी, संदीप लामिछाने, शेर मल्ला, ललित राजबंशी, नंदन यादव।

दिल्ली ओपन: करन सिंह और मानस धामने को मिला एकल वाइल्ड कार्ड

नयी दिल्ली। डेविस कप खिलाड़ी करन सिंह और मानस धामने को सोमवार से यहां डीएलटीए परिसर में शुरू हो रहे एटीपी दिल्ली ओपन के मुख्य ड्रॉ एकल मुकाबलों के लिए वाइल्ड कार्ड प्रदान किए गए हैं। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने हाल ही में नीदरलैंड के खिलाफ खेले गए डेविस कप मुकाबले में भारतीय टीम के रिजर्व सदस्य रहे दिग्विजय प्रताप सिंह को भी मुख्य ड्रॉ वाइल्ड कार्ड देने की पुष्टि की है। इसके साथ ही चार क्वालीफाइंग वाइल्ड कार्ड भी घोषित किए गए हैं। करन को यह मौका बेंगलुरु में डेविस कप टाई में भारत की जीत में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बाद मिला है, जबकि 18 वर्षीय मानस को भारतीय टेनिस की सबसे उज्ज्वल युवा प्रतिभाओं में से एक माना जाता है। डीएलटीए अध्यक्ष रोहित राजपाल ने विज्ञप्ति में कहा, ॠकरन सिंह और दिग्विजय प्रताप सिंह ने हालिया डेविस कप अभियान में अहम भूमिका निभाई थी और यह वाइल्ड कार्ड टीम की सफलता में उनके योगदान की मान्यता है। उन्होंने कहा, ॠमानस धामने आज देश के सबसे रोमांचक युवा प्रतिभाओं में से एक हैं। यह जरूरी है कि हम उन्हें दिल्ली ओपन जैसे टूर्नामेंट में अवसर प्रदान करें। इससे उन्हें उच्च स्तर पर अनुभव हासिल कर अपने खेल में सुधार करने का मौका मिलेगा। डीएलटीए ने क्वालीफाइंग एकल मुकाबलों के लिए नितिन कुमार सिन्हा, इशाक इकबाल, उदित कंबोज और डेनिस येवसेयेव को भी वाइल्ड कार्ड प्रदान किए हैं। ये खिलाड़ी मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाने के लिए क्वालीफाइंग ड्रॉ में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल : जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड की नजरें दिग्गजों को हराने पर

कोलकाता। पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड की नजरें रविवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में अपनी लय कायम रखते हुए बंगाल और कर्नाटक जैसे दिग्गजों को हराने पर लगी होंगी। जम्मू कश्मीर ने इंदौर में मध्यप्रदेश को 56 रन से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। रणजी ट्रॉफी में 1959 . 60 में पदार्पण करने के बाद से यह उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। तेज गेंदबाज आकिब नबी ने 110 रन देकर 12 विकेट चटकाते हुए जीत की नींव रखी। नबी अब तक टूर्नामेंट में 46 विकेट ले चुके हैं जबकि बायें हाथ के तेज गेंदबाज सुनील कुमार ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए 22 विकेट लिये हैं। बल्लेबाजी में अब्दुल समद 543 रन बना चुके हैं जबकि अनुभवी कप्तान पारस डोगरा ने 484 रन का योगदान दिया है। अब उनके पास बंगाल की चुनौती है जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में मजबूत टीम है और कल्याणी में अपने मैदान पर खेलने का उसे फायदा भी मिलेगा। सुदीप कुमार घरामी के 299 रन की मदद से बंगाल ने क्वार्टर फाइनल में आंध्र को एक पारी और 90 रन से हराया। घरामी अभी तक 651 रन बना चुके हैं जबकि सुमंत गुप्ता ने 506 , अभिमन्यु ईश्वरन ने 373 और अनुस्तूप मजूमदार ने 367 रन बनाये हैं। बंगाल के लिये शाहबाज अहमद 39 विकेट ले चुके हैं जबकि मोहम्मद शमी ने 28 और आकाश दीप ने 19 विकेट लिये हैं। दूसरा सेमीफाइनल लखनऊ के इकाना स्टेडियम पर खेला जायेगा जिसमें उत्तराखंड का सामना आठ बार की चैम्पियन कर्नाटक से होगा।

जियो समेत 10 देशों की 15 दिग्गज टेक कंपनियों ने बनाया 'ट्रस्टेड टेक एलायंस'

एजेंसी

म्यूनिख। अफ्रीका, एशिया, यूरोप और नॉर्थ अमेरिका की 15 अग्रणी कंपनियों ने 'ट्रस्टेड टेक एलायंस' (टीटीए) के गठन की घोषणा की है। यह समान सोच वाले वैश्विक टेक्नोलॉजी प्रदाताओं का एक समूह है। जो कनेक्टिविटी, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, सॉफ्टवेयर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक फैले टेक्नोलॉजी स्टैक के लिए भरोसेमंद और सत्यापित मानक विकसित करने के लिए साथ आए हैं। एलायंस में भारत की ओर से जियो प्लेटफॉर्म्स शामिल है। जर्मनी में आयोजित म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान इस एलायंस का ऐलान किया गया। एलायंस के संस्थापक सदस्यों में अमेजन, वेब सर्विसेज, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल क्लाउड, एरिक्सन, नोकिया, एसएपी और एनटीटी जैसी कुल 15 वैश्विक टेक कंपनियां शामिल हैं। एलायंस ने संकेत दिया है कि आगे और कंपनियों को इससे जोड़ा जाएगा तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी संप्रभुता, प्रतिस्पर्धात्मकता और लचीले डिजिटल ढांचे को मजबूत करने की दिशा में काम जारी रहेगा। लॉन्च के मौके पर जियो प्लेटफॉर्म्स के सीईओ किरण थॉमस ने कहा, ॠविश्व स्तर पर डिजिटल विकास को गति देने के लिए भरोसेमंद, सुरक्षित और पारदर्शी टेक्नोलॉजी जरूरी है। जियो प्लेटफॉर्म्स को टेक्नोलॉजी स्टैक में साझा मानक और सत्यापित किए जा सकने वाले तौर-तरीकों को आगे बढ़ाने के लिए 'ट्रस्टेड टेक एलायंस' में शामिल होने पर गर्व है। हम इस पहल के जरिए वैश्विक साझेदारों के साथ मिलकर अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी, क्लाउड और एआई प्रणालियों में दीर्घकालिक भरोसा कायम करना चाहते हैं। माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयर और प्रेसिडेंट ब्रैड स्मिथ ने कहा कि मौजूदा वैश्विक माहौल में समान सोच वाली कंपनियों का साथ आना जरूरी है, ताकि सीमाओं के पार तकनीक में भरोसा और उच्च मानक कायम रह सकें। वहीं एरिक्सन के सीईओ बोर्ये एकहोम ने कहा कि कोई एक कंपनी या देश अकेले सुरक्षित और भरोसेमंद डिजिटल ढांचा नहीं बना सकता, इसके लिए वैश्विक सहयोग अनिवार्य है। एलायंस के तहत सदस्य कंपनियों ने पांच प्रमुख सिद्धांतों पर सहमति जताई है। इनमें पारदर्शी कॉरपोरेट गवर्नेंस और नैतिक आचरण, सुरक्षित विकास प्रक्रिया और स्वतंत्र मूल्यांकन, मजबूत सप्लाई चेन व सुरक्षा निगरानी, खुला व सहयोगी तथा लचीला डिजिटल इकोसिस्टम को बढ़ावा देना और कानून के शासन के साथ डेटा सुरक्षा का सम्मान शामिल है।

आंध्र प्रदेश ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पेश किया 3.32 लाख करोड़ रुपये का बजट

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने शनिवार को कल्याण और विकास में संतुलन बनाते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3.32 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश किया। राज्य के बजट में राजस्व व्यय 2.56 लाख करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय लगभग 54,000 करोड़ रुपये रहने का प्रस्ताव रखा गया है।

आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री पय्यावुला केशव ने राज्य विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि अनुमानित राजस्व घाटा लगभग 22,000 करोड़ रुपये (जीएसडीपी का 1.11 प्रतिशत) होगा और राजकोषीय घाटा लगभग 76,000 करोड़ (जीएसडीपी का 3.84 प्रतिशत) आंका गया है। बजट में स्कूल शिक्षा के लिए 32,308 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं जबकि स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण विभाग के लिए 19,306 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

बैंक अधिकतम 75 प्रतिशत अधिग्रहण राशि को कर सकेंगे वित्तपोषित: आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अधिग्रहण के लिए वित्तपोषण पर अंतिम दिशानिर्देश जारी करते हुए बैंकों के लिए ऋण सीमा बढ़ाकर सौदे के मूल्य का अधिकतम 75 प्रतिशत कर दिया। इसके पहले मसौदा नियमों में यह सीमा 70 प्रतिशत प्रस्तावित थी। केंद्रीय बैंक ने कहा कि कुल बैंक वित्तपोषण अधिग्रहण मूल्य के 75 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा, जिसका स्वतंत्र आकलन संबंधित बैंक द्वारा किया जाएगा। शेष राशि अधिग्रहण करने वाली कंपनी को अपने संसाधनों से जुटानी होगी। नए नियमों के तहत बैंक प्रवर्तकों की हिस्सेदारी को भी वित्तपोषित कर सकेंगे, बशर्ते अधिग्रहण के बाद ऋण-इक्विटी अनुपात निरंतर आधार पर 3:1 से अधिक न हो। अधिग्रहीत इक्विटी शेयर या अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर किसी भी प्रकार के भार से मुक्त होने चाहिए। आरबीआई ने बैंकों को अधिग्रहण वित्तपोषण के लिए निदेशक मंडल से अनुमोदित नीति बनाने के लिए कहा है। पात्र उधारकर्ता की न्यूनतम शुद्ध संपत्ति 500 करोड़ रुपये और लगातार तीन वर्षों का शुद्ध लाभ होना आवश्यक है। गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के लिए निवेश-योग्य रेटिंग भी अनिवार्य होगी। आरबीआई के ये दिशानिर्देश एक अप्रैल से प्रभावी हो जाएंगे। केंद्रीय बैंक ने अक्टूबर के अंत में पहली बार एक मसौदा जारी किया था, जिसमें बैंकों को अधिग्रहण के लिए वित्तपोषण की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा गया था। इससे पहले तक बैंकों को इस तरह की गतिविधि की अनुमति नहीं थी।

शहरी आबादी बढ़ने पर किफायती आवास की मांग बढ़ेगी: खट्टर

नयी दिल्ली। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को आवास को अधिक सुलभ और टिकाऊ बनाने के लिए परिवहन उन्मुख विकास (टीओडी) मॉडल के जरिए मजबूत शहरी बुनियादी ढांचे की स्थापना की आवश्यकता बतायी। उन्होंने शुक्रवार को आवास को अधिक सुलभ और टिकाऊ बनाने के लिए परिवहन उन्मुख विकास (टीओडी) मॉडल के माध्यम से मजबूत शहरी बुनियादी ढांचे की स्थापना का आह्वान किया। राष्ट्रीय राजधानी में भारत मंडपम में 'आवास वित्त के बदलते परिदृश्य' पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने बैंकों, आवास वित्त कंपनियों और राष्ट्रीय आवास बैंक सहित वित्तीय संस्थानों से देश भर में आवास बढ़ाने के लिए सहयोग करने और अधिक ऋण सहायता प्रदान करने का आग्रह किया।

सोने-चांदी में जबरदस्त उछाल: चांदी 8500 रुपये महंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। वायदा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों ने एक बार फिर जोरदार तेजी दिखाई है। अमेरिका में महंगाई के आंकड़े उम्मीद से कमजोर आने से फ़ेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं बढ़ गई हैं, जिससे कीमती धातुओं में निवेशकों का भरोसा लौटा है। शुक्रवार (5 मार्च) को ख्रएड्ढ पर चांदी की कीमतों में 3.62% की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो करीब 8,564 रुपये प्रति किलोग्राम के उछाल के साथ 2,44,999 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इसी तरह, अप्रैल डिलीवरी वाले सोने में 0.2% (305 रुपये) की हल्की बढ़त देखी गई और यह 1,56,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले सत्र की भारी बिकवाली के बाद सोने-चांदी में शानदार वापसी हुई। स्पॉट चांदी 2.1% चढ़कर 77.27 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई, जबकि सोना 2.33% की मजबूती के साथ 5,063 डॉलर प्रति 10 ग्राम के आसपास ट्रेड कर रहा है। इस हफ्ते सोने की कीमतें कुल मिलाकर 1% से ज्यादा ऊपर हैं। गुरुवार को बुलियन में लगभग 3% की गिरावट के बाद यह रिकवरी आई, जब कीमतें करीब एक सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गई थीं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने के लिए 1,50,000 रुपये प्रति 10 ग्राम का स्तर मजबूत सपोर्ट जोन बना हुआ है, जहां फिजिकल खरीदारी और निवेशकों का फ्लो दोनों सक्रिय हैं। यदि कीमतें लगातार 1,60,000 रुपये से ऊपर बनी रहती हैं, तो बुलिश मोमेंटम तेज हो सकता है और अगले हफ्ते या मीडियम टर्म में 1,65,000 से 1,70,000 रुपये तक का लक्ष्य हासिल हो सकता है। एग्ख्रक्ड्ढ गोल्ड के स्ट्रक्चरल सपोर्ट क्लस्टर के टूटने तक बड़ी गिरावट का खतरा कम दिख रहा है। एमसीएक्स चांदी 2,33,000 से 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम के मजबूत सपोर्ट जोन में टिकाऊ आधार बना रही है। हालिया उतार-चढ़ाव के बावजूद गिरावट का दबाव कमजोर पड़ता दिख रहा है, जो प्राइस एक्शन में एब्जॉर्प्शन का संकेत देता है। यदि कीमतें 2,65,000 रुपये से ऊपर ब्रेकआउट करती हैं, तो मीडियम टर्म में 2,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक का बड़ा उछाल संभव है। ग्लोबल सप्लाई की तंगी और इंडस्ट्रियल डिमांड (सोलर, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि) से चांदी को मजबूत सपोर्ट मिल रहा है। वैश्विक अनिश्चितताओं, कमजोर डॉलर और फ़ेड रेट कट की उम्मीद से सोने-चांदी में तेजी का रुझान बरकरार रह सकता है। निवेशकों को डिप्स पर खरीदारी के मौके तलाशने चाहिए, लेकिन सपोर्ट स्तरों का ध्यान रखें। अगले हफ्ते कीमतों में और उतार-चढ़ाव संभव है, लेकिन ओवरऑल बुलिश सेंटिमेंट मजबूत नजर आ रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

52 स्वयंभू लिंगों में से एक लोधेश्वर महादेव का शिवलिंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले की रामनगर तहसील से तीन किलोमीटर दूर उत्तर भारत का सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थल लोधेश्वर महादेव मंदिर स्थित है। यहां वर्ष में चार बार बड़े मेलों का आयोजन होता है। कुछ वर्ष पहले तक पुजारी की देखरेख में ही मेले निपट जाते थे। विगत लगभग 20 वर्षों से यहां पर लगने वाले मेले प्रशासन की देखरेख में होने लगे हैं। प्रशासन श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं भी करता है।

लोधेश्वर महादेव की महिमा इतनी है कि उत्तर भारत के लगभग सभी जिलों के लोग प्रतिदिन यहां दर्शन पूजन अर्चन और जलाभिषेक के लिए आते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब से यहां काशी विश्वनाथ की तर्ज पर कॉरिडोर के लिए घोषणा की है, तब से यहां की व्यवस्थाएं और भी बेहतर होने लगी हैं। लोधेश्वर महादेव का इतिहास महाभारत कालीन इतिहास को समेटे हुए है। पौराणिक तीर्थ स्थल लोधेश्वर महादेव का शिवलिंग स्वयंभू के लिए प्रसिद्ध है।विद्वानों की ऐसी मान्यता है कि पृथ्वी पर 12 ज्योतिर्लिंग व 52 स्वयंभू लिंगों में से एक लोधेश्वर महादेव का शिवलिंग है। महादेव का शिवलिंग परम शक्ति की महिमा से सृष्टि की उत्पत्ति व निर्माण के लिए हुआ है। मंदिर के पुजारी कहते हैं कि भगवान शिव ने संसार के कल्याण हेतु लिंग के रूप में प्रकट हुए। इनके लिंगों में द्वादश ज्योतिर्लिंग तथा आवश्यकतानुसार कामद लिंग उत्पन्न हुए हैं। इसी क्रम में जनपद बाराबंकी के तहसील रामनगर में सरयू नदी (घाघरा) के किनारे बाराह क्षेत्र जिसे शूकर क्षेत्र भी कहते हैं। यहां पर सर्वप्रथम सतयुग में भगवान ने धरती का उद्धार करने हेतु गोंडा जिला के पसका क्षेत्र में प्रकट

हुए। भगवान बाराह ने शिव अर्चना कर स्वयं को शुद्ध करने हेतु कामना की। तो भगवान सदाशिव गंडकी (सरयू) नदी के किनारे वाराह वन क्षेत्र में स्वयंभू लिंग के रूप में प्रकट हुए। वह प्रथम बार भगवान वाराह रूपी विष्णु द्वारा उनकी पूजा अर्चना की गई और इन्हें गंडकेश्वर का नाम स्वयं भगवान विष्णु ने दिया। कालांतर में सतयुग समाप्त होने पर गंडक नदी व वाराह वन में शिव मूर्ति भूमिगति हो गई। पुनः त्रेता युग में जब भगवान विष्णु ने राक्षसों का नाश करने व पृथ्वी को राक्षसहीन करने अयोध्या में चक्रवर्ती राजा दशरथ के यहां भगवान राम के रूप में अवतार लिए और अपनी लीलाओं को समाप्त कर सरयू नदी के गुप्तार घाट में सशरीर अपने अनुज सहित चले गए। तो यह देख उनके पुत्र लव महाराज को आत्म ग्लानि हुई कि मेरे सम्मुख में पिता व अन्य चले गए। मैं कुछ न कर सका। इस कारण महाराज लव अस्वस्थ रहने लगे। उपचार का कोई लाभ न होने पर वशिष्ठ जी ने उन्हें वाराह क्षेत्र में जाकर गंडक नदी के किनारे भगवान शिव के कामद लिंग के बारे में बताया। जिस पर लव महाराज ने उनकी खोज करके पूजन किया तथा इनका नामकरण अपने ही नाम पर लवेश्वर रखा। कलयुग में यह लोधेश्वर नाम से जाने गए। महादेवा मठ की सहायक गद्दियां नदवल गुरशडी, भवनियापुर, सेठ मऊ, नागेश्वर, चकदहा, भगौली तीर्थ, ररिया, पटना, मोहम्मदपुर, त्रिलोकपुर, धौखरिया, सरदहा है। इसका एक मठ कैलाशपुरी एवं बिरौली में है। यह सब पूरी नामा गद्दी हैं। उक्त जानकारी मठ के प्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त हुई है। क्योंकि वह पुरी पंथ के सन्यासी थे। जो निहंग होते हैं। शादी ब्याह नहीं करते हैं। महंत बनाए गए तब से आज तक इस प्रथा में मंदिर व्यवस्था चल रही है। भगवान लोधेश्वर की यश महिमा चारों दिशाओं में फैली है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान तक के सुदूर इलाकों से लोग गंगा जल लेकर पैदल कावड़ यात्रा करते बम भोले का उद्घोष करते प्रत्येक वर्ष फाल्गुन मास की महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक करते हैं। यहां विशाल मेला लगता है।

महाशिवरात्रि के पूर्व केदार घाट पर चलाया स्वच्छता अभियान, दिया शिव संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। महाशिवरात्रि के एक दिन पूर्व शनिवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में केदारघाट पर स्वच्छता अभियान चला प्रकृति के सरंक्षण के लिए शिव संदेश भी दिया गया। नमामि गंगे के सदस्यों ने घाट पर विशेष सफाई अभियान के बाद गौरी केदारेश्वर की आरती उतार भारत की सुख समृद्धि के लिए आशीर्वाद भी मांगा। अभियान में कार्यकर्ताओं ने केदार घाट पर स्थित शिव कचहरी और घाटों की सफाई के लिए लोगों को जागरूक भी किया। स्वच्छता अभियान के तहत गंगा किनारे जगह-जगह पड़े हुए कूड़े कचरे को भी सदस्यों ने उनके सही स्थान तक पहुंचाया। घाटों पर श्रमदान के बाद वहां उपस्थित पर्यटकों और आम लोगों को गंगा और घाटों स्वच्छ रखने की शपथ भी दिलाई गई। पतित पावनी मां गंगा की अविरल धारा को निर्मलता के साथ बहने और उनको हमेशा स्वच्छ रखने के लिए कार्यकर्ता संकल्पित हुए। अभियान का नेतृत्व कर गंगा सेवक व नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर राजेश शुक्ला ने कहा कि ब्रह्मांड के सबसे बड़े पर्यावरणविद् भगवान शिव की उपासना का पर्व महाशिवरात्रि प्रकृति के संरक्षण का संदेश देता है । भगवान शिव के परिवार का प्रकृति से विशेष लगाव और संबंध माना जाता है । प्रकृति का साज-संभाल ही शिवत्व है । उन्होंने कहा कि भगवान शिव दुनिया के सबसे बड़े पर्यावरणविद हैं। भगवान शिव प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हैं क्योंकि वे स्वयं प्रकृति के तत्व हैं । पंचतत्वों (पृथ्वी , जल, वायु, अग्नि, आकाश) से शिव का जुड़ाव हमें उनके माध्यम से प्रकृति के सम्मान और संरक्षण का बोध कराता है, जैसे गंगा जल का प्रबंधन और पार्थिव शिवलिंग की पूजा। इस प्रकार, शिव की पूजा केवल रस्म नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी और उसके संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें हर व्यक्ति को प्रकृति के लिए छोटे-छोटे कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। आयोजन में आयुष गुप्ता, सुषमा गुप्ता, ऋषिका सिंह, तरक्ष सिंह आदि ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की।

खेत की रखवाली कर रहे किसान की संदिग्ध मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया में जनपद के अजीतमल कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अमावता में खेत की रखवाली कर रहे 35 वर्षीय किसान अर्जुन सिंह पुत्र दुर्गा सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। किसान का शव हरपालपुर अड्डा के पास गेहूं के खेत में देर रात पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। बताया जा रहा है कि अर्जुन सिंह रोज की तरह अपने खेत की रखवाली के लिए गए थे। देर रात उनके भाई को चेन्नई में फोन कर सूचना दी गई कि अर्जुन को सूअर ने टक्कर मार दी है, जिससे उनकी मौत हो गई। हालांकि जब परिजन मौके पर पहुंचे तो घटनास्थल की परिस्थितियां संदिग्ध नजर आईं।

देश के समग्र विकास की दिशा में कल्याणकारी कदम साबित होगा बजट 2026-27 : पल्टूराम

- बजट 2026-27 पर पूर्व राज्य मंत्री एवं सदर विधायक पल्टूराम की प्रेस वार्ता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलरामपुर। गांव, गरीब, किसान और नौजवान के हितों को ध्यान में रखकर बजट तैयार किया गया है। केंद्रीय बजट 2026-27 देश के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं कल्याणकारी कदम है। यह बातें केंद्रीय बजट को लेकर विधायक आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व राज्य मंत्री एवं सदर विधायक पल्टूराम ने कही। विधायक ने कहा कि लगभग 53.5 लाख करोड़ रुपये के कुल व्यय और जीडीपी के 4.3 प्रतिशत राजकोषीय घाटे के लक्ष्य के साथ सरकार ने वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए विकास को प्राथमिकता दी है। पूंजीगत व्यय को 12.2 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाया जाना इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि नई फ्रेट कॉरिडोर, हाई-स्पीड रेल और नेशनल वाटरवे जैसी परियोजनाएं देश की कनेक्टिविटी को सशक्त करेंगी, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। सेमीकंडक्टर, बायोफार्मा और दुर्लभ खनिज क्षेत्रों में निवेश से भारत वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत स्थिति बनाएगा। कर सुधारों का उल्लेख करते हुए विधायक ने कहा कि आयकर कानून 2025 को 1 अप्रैल 2026 से लागू करने की घोषणा तथा टीसीएस दरों में कमी मध्यम वर्ग, विद्यार्थियों और छोटे व्यापारियों को राहत प्रदान करेगी। एमएसएमई के लिए विशेष निधि और निवेश प्रोत्साहन योजनाएं स्थानीय उद्योगों को सशक्त करेंगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र के लिए लगभग 7.8 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान राष्ट्रीय सुरक्षा को और मजबूत करेगा। यह बजट 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

शिवरात्रि पर्व पर नगर निगम ने बनाई स्वच्छता की विशेष रूपरेखा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। रविवार को शिवरात्रि के मौके पर रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन सुनिश्चित कराने के लिए नगर निगम ने कार्य योजना बना ली है। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने नगर आयुक्त श्री जयेंद्र कुमार के साथ नागेश्वरनाथ मंदिर एवं श्री क्षीरेश्वर नाथ मंदिर परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्था संबंधी तैयारियों को अंतिम रूप दिया। उनके साथ अपर नगर आयुक्त भारत भार्गव, जोनल अधिकारी अशोक गुप्त, सहायक अभियंता सिविल राजपति यादव भी थे। महापौर ने सबसे पहले नागेश्वरनाथ मंदिर का जायजा लिया। उन्होंने मंदिर परिसर जाने वाले रास्ते पर मैट बिछाने, अन्य स्थानों पर लगातार सफाई व्यवस्था के लिए कर्मचारियों की तैनाती करने, स्वागत बोर्ड बदलवाने तथा मंदिर परिसर के आसपास की दीवारों को विशेष रंग से पेंटिंग कराने का निर्देश दिया। नगर आयुक्त ने मंदिर परिसर में जगह-जगह पान की पिच न थूकने संबंधी निर्देश लिखवाने के निर्देश दिए। इसके बाद नगर निगम की टीम के साथ वह क्षीरेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर के सामने नाली पर सही ढंग से पत्थर लगवाने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी श्रद्धालु को ठोकर न लगे। मंदिर परिसर में निरंतर सफाई के लिए कर्मचारियों को तैनात रखने को कहा।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

भक्तों के दर्शन के लिए सज गया महाभारत कालीन मंदिर पंडा बाग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर शहर के ऐतिहासिक और प्राचीन पांडेश्वर नाथ मंदिर (पंडाबाग मंदिर) में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। महाभारत कालीन से जुड़े इस द्वापर युगीन मंदिर में लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक और दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर परिसर को फूलों, रंग-बिरंगी लाइटिंग और आकर्षक सज्जा से सजाया जा रहा है, जबकि श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए बैरिकेडिंग और अन्य व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मंदिर के पुजारी गोपाल शर्मा ने शनिवार को बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर के पट रविवार सुबह 4:30 बजे खोले जाएंगे। साफ-सफाई और अन्य तैयारियों के बाद सुबह 5:00 बजे से श्रद्धालुओं को दर्शन और जलाभिषेक की अनुमति दी जाएगी। सुबह 6:00 बजे भगवान शिव का प्रातःकालीन मंगला पूजन होगा। पूरे दिन भगवान की पांच आरतियां होंगी, जबकि रात्रि में चारों पहर की विशेष पूजा और जागरण का भव्य आयोजन होगा। सैकड़ों-हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर में पुलिस बल की भारी तैनाती की गई है। पुलिस के जवान बाहर गेट से लेकर मंदिर के अंदर तक व्यवस्था संभालेंगे, ताकि कोई असुविधा न हो और सुरक्षा सुनिश्चित रहे। बैरिकेडिंग से श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही होगी, जबकि पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। शनिवार से ही सजावट और बैरिकेडिंग का कार्य जारी है। मंदिर को फूलों की मालाओं, रंगीन रोशनी और पारंपरिक सज्जा से सजाया जा रहा है, जो रात्रि में और भी आकर्षक लगेगा। उल्लेखनीय है कि पांडेश्वर नाथ मंदिर महाभारत काल से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने यहां शिवलिंग की स्थापना की थी। कुछ कथाओं के अनुसार, माता कुंती ने भी इस क्षेत्र में शिव पूजा की थी। यह मंदिर फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन रोड पर स्थित है और दूर-दूर से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर को ''अपराकाशी'' या प्राचीन तीर्थ के रूप में भी जाना जाता है, जहां दर्शन मात्र से मनोकामनाएं पूरी होने की विश्वास है।

बागपत में परशुराम जी द्वारा स्थापित शिवलिंग पर भोलेनाथ ने दिए थे दर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के पुरा महादेव स्थित परशुरामेश्वर महादेव मंदिर भगवान परशुराम के नाम से ही जाना जाता है। मान्यता है कि यहां शिवलिंग का जलाभिषेक करने से भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं। भगवान परशुराम ने शिवलिंग की स्थापना की थी। शिवलिंग का जलाभिषेक जब परशुराम जी ने किया था तो खुद भोलेनाथ ने दर्शन देकर उनकी मनोकामना पूरी करते हुए उनकी मां को जीवित कर दिया था। तब से परशुरामेश्वर के नाम से जानते हैं।

पुरा महादेव गांव उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में मेरठ रोड स्थित बालैनी के पास लगभग चार किलोमीटर उत्तर दिशा में स्थित है। इस मंदिर को परशुरामेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। यह एक अत्यंत प्राचीन और सिद्ध पीठ शिव मंदिर कहा जाता है। भगवान परशुराम द्वारा स्थापित यह शिवलिंग शिव भक्त कांवड़ियों के लिए विशेष महत्व रखता है। श्रवण

और फाल्गुन मास में यहां लाखों शिव भक्त हरिद्वार से गंगाजल लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। उनकी मनोकामना पूर्ण होती है। मनोकामना पूर्ण करने का रहस्य आदिकाल से जुड़ा है। भगवान परशुराम ने शिवलिंग स्थापित कर यहां पूजा अर्चना की और जलाभिषेक किया। इसके बाद भगवान शिव ने उन्हें दर्शन देकर उनकी मनोकामना पूर्ण की थी। प्रसंग है कि अपने पिता की आज्ञा पाकर परशुराम जी ने अपनी माता का सिर धड़ से अलग कर दिया था। इसके बाद उन्हे पश्चाताप हुआ और परशुराम जी ने भगवान शिव की आराधना करते हुए उनके आशीर्वाद से अपनी माता को जीवित कर लिया। तभी से यहां जलाभिषेक की प्रथा चली आ रही है। मंदिर के पुजारी जय भगवान शास्त्री बताते हैं कि जहां पर परशुरामेश्वर महादेव मंदिर है, यहां पहले कजरी वन हुआ करता था। इसी वन में जमदग्नि ऋषि अपनी पत्नी रेणुका सहित अपने आश्रम में रहते थे। प्राचीन समय में एक बार राजा सहस्त्रबाहु शिकार करते हुए ऋषि जंमदग्नि के आश्रम में जा पहुंचे। रेणुका ने कामधेनु गाय की कृपा से राजा का पूर्ण आदर सत्कार किया। राजा गाय की क्षमता देखकर बड़े प्रभावित और सोचने लगे कि ऐसी गाय को राजा के पास होना चाहिए। राजा गाय को देखकर बलपूर्वक उसे ले जाने लगे लेकिन सफल न हो सके। गुस्से में आकर राजा रेणुका को ही बलपूर्वक अपने साथ ले गए। हस्तिनापुर महल में ले जाकर बंधक बना लिया। राजा सहस्त्रबाहु की पत्नी ने उन्हें मुक्त कर दिया और वापस भेज दिया। जय भगवान शास्त्री बताते हैं की लंबे समय तक इस स्थान पर कोई नहीं आया। यह स्थान जमीन के अंदर समा गया। कालांतर में मंदिर खंडहर में तब्दील हो गया। काफी समय बाद एक दिन लडोरा की रानी अपने राज्य में घूमने निकली थीं। जब उनका काफिला कजरी वन से होकर गुजरने लगा तो हाथी पर बैठी रानी आगे नहीं जा पाया। हाथी एक टीले पर जाकर ठहर गया। रानी ने इस बात का रहस्य जानने के लिए जब महावत से जानकारी ली तो महावत ने इस टीले को कोई तपस्वी का स्थान बताते हुए टीले की खुदाई करने का आग्रह किया। रानी के आदेश पर जब टीले की खुदाई की गई तो यहां एक शिवलिंग प्रकट हुआ। शिवलिंग की सही जानकारी रानी द्वारा कराई गई। उसके बाद रानी ने यहां एक मंदिर बनवाया। यही शिवलिंग आज परशुरामेश्वर के नाम से विख्यात है। इसी पवित्र स्थान पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी कृष्ण बोध आश्रम जी महाराज ने भी तपस्या की थी। यही परशुरामेश्वर महादेव मंदिर आज दूर-दूर तक विख्यात है और लाखों श्रद्धालु यहां जलाभिषेक करने के लिए आते हैं।

हमीरपुरः महाभारत कालीन चौपेश्वर शिवमंदिर में महाशिवरात्रि पर दर्शन से पूरी होती हैं मुरादें

- महाराज की पुत्री राजकुमारी उत्तरा शिव लिंग में करती थी जलाभिषेक
- महाशिवरात्रि पर्व पर उमड़ेगा श्रद्धालुओं का सैलाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के वीरभूमि बुन्देलखण्ड के हमीरपुर जिले का राठ नगर महाभारत काल से जुड़ा है। इसे महाराजा विराट की राजधानी से भी जाना जाता रहा है। राठ को पहले विराट नगर कहा जाता था लेकिन समय बीतने के साथ ये अब राठ नगर के नाम से विख्यात है। यहां महाराज विराट ने अपनी बेटी उत्तरा के लिये चौपेश्वर शिव मंदिर का निर्माण कराया था जहां उत्तरा नित्य मंदिर में जाकर भोले नाथ के शिवलिंग का जलाभिषेक करती थी। महाशिवरात्रि पर्व पर इस एतिहासिक मंदिर को खूब सजाया गया है। यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु पूजा अर्चना करने आते है। महाशिवरात्रि पर्व पर इस मंदिर में दिन भर अनुष्ठान होंगे। इसके लिये तैयारियां शुरू कर दी गयी है। हमीरपुर जिला मुख्यालय से करीब 85 किमी दूर दक्षिण दिशा में स्थित राठ नगर आज भी अपने अतीत और वैभव को संजोये है। महाभारत काल में ये नगर विराट नगर के नाम से जाना जाता था। महाराज विराट ने अपनी पुत्री उत्तरा को पूजा अर्चना करने के लिये एक भव्य मंदिर का निर्माण कराकर शिव लिंग की स्थापना करायी थी। इस मंदिर में खाकी बाबा के नाम से एक संत ने डेरा डाला था। किसी जमाने में यहां एक मर्तबा यज्ञ का आयोजन हुआ था। अगले दिन यज्ञ सम्पन्न होने के बाद भंडारे का आयोजन किया गया था जिसमें रात में पूड़ी बनाने के लिये घी कम पड़ गया। इस संत ने शिष्यों से चौपेश्वर मंदिर के तालाब से पानी भरकर कढ़ाई में डालने का फरमान दिया। बताते हैं कि जैसे ही चौपेश्वर तालाब का पानी भरकर कढ़ाई में डाला गया तो वह घी बन गया था। बाद में संत के कहने पर मार्केट से एक डिब्बा (टीन) शुद्ध घी खरीदकर चौपेश्वर तालाब में डलवाया गया था। इस एतिहासिक चौपेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व की धूम शुरू हो गयी है। रविवार को यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। मंदिर में भजन कीर्तन और अनुष्ठान का दौर चलेगा। इसके लिये मंदिर को खूब सजाया गया है। हजारों बरस पुराना है राठ नगर का इतिहासहमीरपुर जिला का राठ नगर एतिहासिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि ये नगर महाभारत काल में महाराजा विराट की राजधानी थी। उन्हीं के नाम से यह नगर विराट नगर जाना जाता रहा है। 12 बरस के अज्ञातवास में युधिष्ठर, भीम, अर्जुन नकुल व सहदेव यहां आये थे। जाने माने इतिहासकार राकेश त्रिपाठी के मुताबिक अज्ञातवास बिताने के लिये पांच पाण्डवों ने महाराज विराट की नगरी राठ को ही चुना था। पाण्डवों ने अपने सभी शस्त्र नगर के बाहर एक विशाल वृक्ष पर छिपा दिये थे। विराट के रसोईयां बने थे भीम यहीं पर भीम ने द्रोपदी पर बुरी नजर डालने वाले कीचक को मौत के घाट उतारा था। युधिष्ठर राजा विराट के सभासद व भीम रसोईयां बने थे। नकुल घुड़साल की देखरेख करते थे वहीं सहदेव महाराजा की गायों की सेवा करते थे। विराट की बेटी उत्तरा को अर्जुन सिखाते थे नृत्यबताते है कि अर्जुन महाराज विराट की बेटी उत्तरा को नृत्य सिखाते थे। पांचों पाण्डवों की मां द्रोपदी को महारानी की दासी बनना पड़ा था। अर्जुन बृहन्नला बनकर नृत्य करते थे। युधिष्ठर राजा विराट के सभासद व भीम रसोईयां बने थे। नकुल घुड़साल की देखरेख करते थे वहीं सहदेव महाराजा की गायों की सेवा करते थे। अर्जुन बृहन्नला बनकर नृत्य करते थे। बताते हैं कि अर्जुन महाराज विराट की बेटी उत्तरा को नृत्य की सिखाते थे। पांचों पाण्डवों की मां द्रोपदी को महारानी की दासी बनना पड़ा था। चौपेश्वर मंदिर के दर्शन से पूरी होती हैं मुरादें राठ बस स्टैण्ड से 1.8 किमी दूर नगर से पूर्व की ओर एक एतिहासिक प्राचीन मंदिर है जो चौपेश्वर मंदिर के नाम से विख्यात है। इसमें भगवान शंकर का भव्य शिवलिंग स्थापित है जो किसी जमाने में चौपेश्वर महाराजा के नाम से भी सुविख्यात रहा है। मंदिर में हनुमानजी, रामलला व भगवान गणेश जी के भी मंदिर है। महाराजा विराट ने अपनी बेटी उत्तरा के देव पूजन के लिये ही मंदिर का निर्माण कराकर शिवलिंग की स्थापना करायी थी। महाराजा विराट की पुत्री राजकुमारी उत्तरा इसी मंदिर में पूजा और अर्चना करती थी।

हमीरपुर का ऐसा गौरीशंकर बाबा मंदिर, जहां आधी रात के बाद होते हैं चमत्कार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिला मुख्यालय से 10 किमी. दूर यमुना पुल पार बीबीपुर गांव में गौरीशंकर बाबा मंदिर का वैभव एक हजार साल पुराना है। मंदिर के अंदर गहराई में सुरंग बनी है, जो आसपास के कई एतिहासिक मंदिरों को जोड़ती है। इस मंदिर के गर्भ के अंदर अटूट सम्पत्ति कहीं छिपी है जिसके लालच में कई बार लोगों ने खुदाई की मगर भगवान शिव का चमत्कार देख लोग फावड़े छोड़ उल्टे पांव भागने को मजबूर हो गये। शिवलिंग का अपमान करने पर कई लोग दंड भी पा चुके हैं।महाशिवरात्रि पर इस मंदिर में श्रद्धालुओं का दिन भर भीड़ उमड़ती है और रुद्राभिषेक करते हैं।

हमीरपुर शहर से यमुना पुल पार नेशनल हाइवे-34 में मोड़ से करीब 2 किमी. दूर पश्चिम दिशा में बीबीपुर गांव स्थित है। गांव के बाहर एक हजार साल पुराना गौरीशंकर बाबा मंदिर है जिसमें स्थापित शिवलिंग अपने अतीत को आज भी संजोये हुये है। पं. रमाकांत बाजपई के मुताबिक रामप्रताप पाण्डेय व भगवान प्रसाद पाण्डेय सगे भाई थे, जिन्होंने इस मंदिर का निर्माण एक हजार साल पहले कराया था। काशी (वाराणसी) से गौरीशंकर की यह शिवलिंग उस जमाने में लायी गयी थी और काशी से पंडितों ने विधि विधान से शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा करायी थी। यह ऐसा शिवलिंग है जिसमें पार्वती की प्रतिमा बनी है। शिवलिंग दिन में कई बार रंग भी बदलता है। गौर से देखने पर शिवलिंग में अपना चेहरा भी दिखता है। शिवलिंग के 20 फीट नीचे गहरा तहखाना है जहां आज भी एक तख्त पड़ा है। इसे कोई देखने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाता है। मंदिर के अंदर गहराई में सुरंग है। सुरंग से आसपास के कई मंदिर भी जुड़े हैं। संवत 1844 का कुआं भी इस मंदिर से सुरंग के जरिये जुड़ा है। कई साल पहले गांव के ही कुछ लोगों ने खजाने के चक्कर में रात में चोरी छिपे शिवलिंग के आसपास नीचे करीब 15 फीट तक खुदाई करायी थी। तब शिवलिंग के गर्भ के अंदर वैभव को देख सभी कांपने लगे। कई फीट लम्बे काले नाग को देख खुदाई करने वाले भागे खड़े हुए। कुछ ही दिन में ऐसा करने वाले सब लोग बीमार भी पड़ गये थे। बाद में शिवलिंग में माथा टेक कर माफी मांगी थी। रमाकांत बाजपेई ने बताया कि इस मंदिर की शिवलिंग की बड़ी विशेषता है। जो भी यहां माथा टेकने आया है भगवान भोले बाबा ने उसके मन की मुराद जरूर पूरी की है। उन्होंने बताया कि जिले के एक युवक की आंख की रोशनी चली गयी थी। वह मंदिर में जाकर शिवलिंग से लिपटकर रोया तो एक महीने के अंदर आंखों में रोशनी आ गयी थी। गांव में एक साल भर के बच्चे को घर के लोगों ने सुलाने के लिये कुछ नशा दे दिया तो बच्चा बेजान हो गया।